नागरिकता संशोधन अधिनियम लागू होने के बाद से पाकिस्तान से आए हिंदू और सिख शरणार्थियों के बीच खुशी की लहर है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 15 अंक: 71 पृष्ठ: 08

RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com उत्तराखण्ड संस्करण दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

आदर्श विचार

"ध्यान का अर्थ है भीतर से मुस्कुराना।"
भागवद्

मन की बात

"सत्य को हजार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।"
स्वामी विवेकानंद

तीसरी आंख

नायब सैनी ने ली सीएम पद की शपथ

= हरियाणा राज्यपाल ने सैनी के अलावा पांच विधायकों को कैबिनेट व राज्य मंत्री की शपथ दिलाई

जिम्मेवारी

8 सोमवार की रात शुरू हुई राजनीतिक उठापटक मंगलवार को नई सरकार के गठन के बाद समाप्त हुई

टीम एक्शन इंडिया

चंडीगढ़: कुरूक्षेत्र से भाजपा के सांसद एवं प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी हरियाणा के 15वें मुख्यमंत्री बन गए। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मंगलवार की शाम राजभवन में आयोजित एक समारोह में नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल ने सैनी के अलावा पांच विधायकों को कैबिनेट व राज्य मंत्री की शपथ दिलाई। हरियाणा में सोमवार की रात शुरू हुई राजनीतिक उठापटक मंगलवार को नई सरकार के गठन के बाद समाप्त हुई। हरियाणा में बदलते राजनीतिक घटनाक्रम में जननायक जनती पार्टी में भाजपा के साथ चल रहा गठबंधन अचानक टूट गया। इसके बाद मनोहर लाल ने पूरी सरकार को इस्तीफा राज्यपाल का सौंप दिया। इस घटनाक्रम के बाद भाजपा के पर्यवेक्षक केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा तथा राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुघ चंडीगढ़ में पहुंचे और उनकी मौजूदगी में नायब सैनी को विधायक दल का नेता चुन लिया गया। इसके बाद नायब सैनी मुख्यमंत्री मनोहर लाल, पार्टी प्रभारी बिप्लब देव तथा दोनों पर्यवेक्षकों के साथ दोबारा राज्यपाल से मिले और सरकार गठन का दावा पेश किया। इसके बाद राजभवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। इसके बाद मनोहर सरकार में मंत्री रहे कंवर पाल को बतौर कैबिनेट मंत्री शपथ दिलाई गई। कंवर पाल के बाद बल्लभगढ़ के विधायक मूल चंद शर्मा, रानियां से निर्दलीय विधायक चौधरी रणजीत चौटाला, लोहारू के विधायक जय प्रकाश दलाल, डॉ. बनवारी लाल को भी बतौर कैबिनेट मंत्री शपथ दिलवाई गई।

विज-संदीप सिंह को नहीं मिली कैबिनेट में जगह

नई सरकार में मनोहर मंत्रिमंडल में गृहमंत्री रहे अनिल विज, स्थानीय निकाय मंत्री कमल गुप्ता, राज्य मंत्री ओम प्रकाश यादव, कमलेश ढांडा तथा संदीप सिंह को अभी मंत्रिमंडल में स्थान नहीं दिया गया है। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने 27 अक्टूबर 2019 को जननायक जनता पार्टी के साथ मिलकर हरियाणा में मनोहर को मुख्यमंत्री समेत 14 कैबिनेट व राज्य मंत्रियों के साथ सरकार का गठन किया था।

विधायकों ने सर्वसम्मति से किया पारित

मनोहर लाल ने नायब सैनी का नाम विधायक दल के नए नेता के रूप में प्रस्ताव विधायकों के समक्ष रखा। इसका अनुमोदन सबसे पहले पूर्व शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर फिर पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल और पूर्व सहकारिता मंत्री डॉक्टर बनवारी लाल ने किया। इसके बाद नांगल चौधरी के विधायक डॉक्टर अभय सिंह यादव ने कहा कि यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कर दिया जाए। सभी विधायकों ने इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित कर दिया।

भाजपा-जजपा गठबंधन खत्म होने पर विपक्ष हमलावर

टीम एक्शन इंडिया

चंडीगढ़: इंडियन नेशनल लोकदल के नेता और विधायक अभय चौटाला ने भाजपा-जजपा गठबंधन टूटने पर कहा कि गठबंधन नहीं टूटा है बल्कि आज ठगबंधन समाप्त हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि जब विधानसभा का चुनाव आएगा तो भाजपा 15 सीट नहीं पार कर पाएगी।

हरियाणा में बड़े राजनीतिक घटनाक्रम में मनोहर लाल ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। अब नई सरकार में मुख्यमंत्री का चेहरा भी बदला जाएगा। पहले सीएम मनोहर लाल के नामों को लेकर के ही चर्चा थी लेकिन विधायक दल की बैठक में नायब सिंह सैनी के नाम पर मुहर लगी।

मनोहर लाल का जाना एक साल पहले ही हो गया था तय

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: हरियाणा में सरकार का मुखिया बदलने का निर्णय दिल्ली में भाजपा की संसदीय बोर्ड की बैठक में हो गया था। चंडीगढ़ में नया नेता चुने जाने के लिए हुई भाजपा विधायक दल की बैठक में स्वयं मनोहर लाल ने इसकी जानकारी दी। इस बैठक में पर्यवेक्षक के तौर पर प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब के साथ केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ नए नेता के चुनाव के लिए पहुंचे हुए थे। बैठक शुरू होते ही राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि बैठक की कार्यवाही के बारे में मनोहर लाल बताएंगे।

नए चेहरों की जरूरत: इसके बाद मनोहर लाल ने कहा कि पार्टी का विचार है कि संगठन और सरकार में नए चेहरे काम करें। इसलिए मैंने एक साल पहले ही पार्टी नेतृत्व से आग्रह किया था कि मैंने प्रदेश में आठ साल तक मुख्यमंत्री रहते हुए सेवा दी है, अब किसी अन्य नेता को इसकी जिम्मेदारी देनी चाहिए। पार्टी में व्यवस्था है कि नए लोगों को जिम्मेदारी दी जाती है। पुराने अलग भूमिका निभाते हैं।

राज्य में नेतृत्व के परिवर्तन के लिए हुआ मंथन: मनोहर लाल ने कहा कि पार्टी में उनके इस आग्रह पर गहन मंथन हुआ, इसमें समय लगा और अब संसदीय बोर्ड ने निर्णय लिया है कि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन किया जाए। पार्टी ने निर्णय लिया है कि कुरुक्षेत्र से सांसद और पार्टी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे नायब सैनी को भाजपा विधायक दल का नया नेता बनाया जाए।

नायब सैनी के शपथ लेते ही दुष्यंत चौटाला ने खोल दिए पत्ते

टीम एक्शन इंडिया

चंडीगढ़: नायब सैनी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। वहीं दूसरी ओर नायब सैनी के शपथ लेते ही पूर्व डिप्टी सीएम और जेजेपी नेता दुष्यंत चौटाला ने बीजेपी के साथ गठबंधन टूटने को लेकर सोशल मीडिया पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट शेयर किया है। सभी हरियाणावासियों को मेरा नमस्कार। आपने मुझे हरियाणा के उपमुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश की सेवा करने का अवसर दिया इसको मैं अपना सौभाग्य मानता हूँ और हरियाणा के प्रत्येक व्यक्ति का दिल की गहराइयों से आभार प्रकट करता हूँ। हरियाणा के हित और जनता के कार्यों के लिए आपका समर्थन और सहयोग मेरे लिए हमेशा ऊर्जादायक रहा है। सीमित समय और सीमित संख्या के साथ हमने दिन रात हरियाणा के हितों की रक्षा के लिए लगाए हैं। हमने हरियाणा के हर वर्ग और हर क्षेत्र के काम सरकार में करवाये हैं। हमारे मुश्किल और संघर्ष के दौर में आपने हम पर जो भरोसा लगातार जताया है और जो साथ हमेशा दिया है उसके लिए मैं आपका सदैव आभारी रहूँगा।

मॉरीशस विश्वविद्यालय ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को डॉक्टर ऑफ सिविल लॉ की मानद उपाधि प्रदान की।

'तमिलनाडु में लागू नहीं होगा सीएए: स्टालिन

चेन्नईः तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) को विभाजनकारी बेकार बताते हुए मंगलवार को इसे खारिज कर दिया और कहा कि इसे उनके राज्य में लागू नहीं किया जाएगा। स्टालिन ने लोकसभा चुनाव नजदीक होने के बीच सीएए लागू करने के लिए नियमों को जल्दबाजी में अधिसूचित करने को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सीएए और इसके नियम संविधान की मूल संरचना के खिलाफ हैं। इससे पहले सीएम ने इसे भाजपा का विभाजनकारी एजेंडा बताया और कहा कि लोग उन्हें (भाजपा को) करारा सबक सिखाएंगे।

तोपों, टैंकों की गर्जना से गूंजा पोखरण

टीम एक्शन इंडिया

पोखरण: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को तीन सेनाओं के सयुंक्त 'भारत शक्ति अभ्यास' देखने के लिए राजस्थान के पोखरण फायरिंग रेंज में पहुंचे। तीनों सेनाओं में स्वदेशी रूप से निर्मित रक्षा उपकरणों की शक्ति का प्रदर्शन किया गया। भारत शक्ति युद्धाभ्यास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज जो दृश्य हमने देखा, हमारी तीनों सेनाओं का शौर्य अद्भुत है, आकाश में ये दहाड़, ये जमीन पर युद्ध, चारों ओर गूंजती विजय की पुकार, यह नए भारत की पुकार है। यही पोखरण है, जो भारत की परमाणु शक्ति का साक्षी रहा है, और यहीं पर हम आज स्वदेशीकरण से सशक्तिकरण का दम देख रहे हैं।

यही तो भारत शक्ति है: पीएम मोदी ने कहा कि 'हमारी तोपें, टैंकों, लड़ाकू जहाजों, हेलिकॉप्टर, मिसाइल सिस्सम, ये जो गर्जना आप देख रहे हैं। यही तो भारत शक्ति है। हथियार, और गोला बारुद, संचार उपकरण, सायबर और स्पेस तक हम मेड इन इंडिया की उड़ान का अनुभव कर रहे हैं। यही तो भारत शक्ति है।' पीएम मोदी ने कहा कि बाते 10 वर्षों में हमने देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक के बाद एक बड़े कदम उठाए हैं। हमने नीति-विषयक सुधार किए, रिफॉर्म्स किए, हमने प्राइवेट सेक्टर को इससे जोड़ा, हमने एमएसएमई स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित किया।

शौर्य

8 प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज जो दृश्य हमने देखा, हमारी तीनों सेनाओं का शौर्य अद्भुत है

भारत ने पाक से बातचीत के दरवाजे बंद नहीं किए: जयशंकर

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ लगभग चार वर्षों से चल रहे सीमा विवाद की पृष्ठभूमि में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि इस अवधि में तनाव से हममें से किसी को भी फायदा नहीं हुआ।

भारत ने कभी पाक से बातचीत के दरवाजे बंद नहीं किए: एस जयशंकर

साथ ही कहा कि भारत उचित हल खोजने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वह ऐसा होना चाहिए जो समझौतों का सम्मान करता हो और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को मान्यता देता हो। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए अपने दरवाजे कभी बंद नहीं किए, लेकिन आतंकवाद का मुद्दा बातचीत के केंद्र में उचित और स्पष्ट रूप से होना चाहिए।

सीएए नागरिकता देता है छीनता नहीं: शहाबुद्दीन

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: देशभर में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू हो गया है। एनडीए के नेताओं ने सीएए का स्वागत किया है, जबकि विपक्षी दलों के कई नेता इसका विरोध कर रहे हैं। इसी बीच, ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने बड़ा बयान दिया है। शहाबुद्दीन रजवी ने सीएए का खुलकर समर्थन किया है। साथ ही उन्होंने मुस्लिम नागरिकों से खास अपील भी की है।

सीएए लागू करने की टाइमिंग पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: चार साल बाद केंद्र सरकार ने सोमवार शाम को नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के लिए एक अधिसूचना जारी की। यह 2024 के लोकसभा चुनाव के कुछ हफ्ते पहले ही लागू की गई है। विपक्षी राजनेताओं के विरोध के बीच दिसंबर 2019 में संसद द्वारा सीएए को पहले ही मंजूरी दे दी गई थी। सरकार द्वारा जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, 31 दिसंबर 2014 से पहले धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए थे उन्हें केंद्र सरकार बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता दे सकती है। हालांकि, उअअ के लागू होने के बाद से सियासी बवाल शुरू हो गया। विपक्षी लगातार इसको लेकर हमला बोल रहे है। कांग्रेस ने सीएए के लागू करने के समय पर सवाल उठाया है।

सीएए नियम लाने में 4 साल और 3 महीने लग गए: कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि भाजपा को सीएए नियम लाने में 4 साल और 3 महीने लग गए। यह एक हेडलाइन मैनेजमेंट है। उन्होंने इसे सामाजिक ध्रुवीकरण की रणनीति बताई है। जयराम रमेश ने कहा 'इस नियम को लाने में उन्हें 4 साल और 3 महीने लग गए।

विधेयक दिसंबर 2019 में पारित किया गया था। 3-6 महीने के अंदर कानून बन जाना चाहिए था। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से नौ एक्सटेंशन मांगे और कल रात नियमों को अधिसूचित करने से पहले 4 साल और 3 महीने का समय लिया।

सीएए कानून का हमने वादा पूरा किया: शाह

टीम एक्शन इंडिया

सिकंदराबाद: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सिकंदराबाद में एक जनसभा रैली को संबोधित करते हुए मंगलवार को कहा कि इन 10 सालों में पीएम नरेंद्र मोदी ने 'आया राम, गया राम' की राजनीति खत्म करके देश को राजनीतिक स्थिरता दी है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने 'आया राम, गया राम' की राजनीति को समाप्त कर एकछत्र नेतृत्व में पूर्ण बहुमत वाली 10 साल तक सरकार चलाई है। हमने कहा था, हम उअअ लाएंगे। कांग्रेस पार्टी सीएए का विरोध करती थी। हमारे संविधान निर्माताओं का वादा था कि बांग्लादेश, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से जो प्रताड़ित शरणार्थी आएंगे, हम उन्हें नागरिकता देंगे। गृह मंत्री ने कहा, "कांग्रेस पार्टी तुष्टीकरण, वोट बैंक की राजनीति के कारण सीएए कानून का विरोध करती थी। लाखों लोग अपना धर्म बचाने के लिए इस देश में आए। प्रधानमंत्री मोदी ने उनको नागरिकता देकर उनको सम्मान देने का काम किया है।" शाह ने आगे कहा, "हमने दूसरा वादा किया था कि हम कश्मीर से धारा-370 को समाप्त कर देंगे। 70 साल से कांग्रेस पार्टी धारा-370 को लेकर चलती थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने 5 अगस्त, 2019 को धारा-370 समाप्त कर दिया। हमने दूसरा वादा किया था कि हम कश्मीर से धारा-370 को समाप्त कर देंगे। 70 साल से कांग्रेस पार्टी धारा-370 को लेकर चलती थी, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 5 अगस्त, 2019 को धारा-370 समाप्त कर दिया। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी 70 साल तक राम मंदिर के मुद्दे को अटकाती रही, लटकाती रही, भटकाती रही। कांग्रेस ने मंदिर नहीं बनाया और जब इन्हें राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण दिया गया, तो वोट बैंक की लालच में इन्होंने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का बहिष्कार किया।

वादे पर खरे

8 पीएम मोदी ने 'आया राम, गया राम' की राजनीति खत्म करके देश को राजनीतिक स्थिरता दी

अमरावती भूमि घोटाले में पूर्व सीएम नायडू के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

टीम एक्शन इंडिया

अमरावती। आंध्र प्रदेश सीआईडी ने तेलुगु देशम पार्टी के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और अन्य के खिलाफ 4400 करोड़ रुपये के अमरावती भूमि घोटाले में चार्जशीट दाखिल की। थुल्लुरू मंडल के पूर्व तहसीलदार एनी सुधीर बाबू और रामकृष्ण हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक केपीवी अंजनी कुमार (बाबी) चार्जशीट में शामिल अन्य नाम हैं। यह मामला 2020 में मंगलागिरी के सीआईडी पुलिस थाने में आईपीसी की विभिन्न धाराओं, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज किया गया था।

विकासात्मक

ईमान बेचने वाले जनप्रतिनिधियों को कभी माफ नहीं करेगी प्रदेश की जनता

प्रदेश के किसान, महिलाएं और युवा ही हमारी ताकत: मुख्यमंत्री

हामिद

चंबा: मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मंगलवार को चम्बा जिले के चंबा विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं के शिलान्यास किए। चंबा के ऐतिहासिक चौगान में जनसभा को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में मल्टी स्टोरी पार्किंग मिनी सचिवालय इनडोर स्टेडियम तथा राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल के लिए राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने चंबा चुवाड़ी टनल की फ ीजिबिटिलटी रिपोर्ट के लिए चार करोड़ रुपए प्रदान करने की भी मुख्यमंत्री ने घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह साधारण परिवार से संबंध रखते हैं और कड़ी मेहनत व संघर्ष के बूते पर आज जनसेवक के रूप में कार्यरत हैं। आम लोगों के लिए कुछ करने की दृढ़ इच्छाशक्ति से ही आर्थिक चुनौतियों के बावजूद जनकल्याण के लिए योजनाएं आरंभ करने की प्रेरणा मिली है। अनाथ बच्चों के लिए मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना शुरू की तथा सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन बहाल की गई। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि जनमत एवं पार्टी विचारधारा के साथ दगा करना हिमाचल की संस्कृति नहीं है। यहां के लोग ईमानदार हैं और जब कोई भी जन-प्रतिनिधि अपना ईमान बेचता है तो उसे प्रदेश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार पांच साल तक लोगों की सेवा करती रहेगी और किसानए महिलाएं और युवा ही हमारी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि वह सत्ता के भूखे नहीं हैं और जीवन भर उन्होंने संघर्ष किया है। हम सत्ता सुख के लिए नहीं बल्कि व्यवस्था परिवर्तन के लिए आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष ने सत्ता की लालसा में अफ वाहें फैलाई। आम लोगों का बजट पास न हो, इसका षड्यंत्र रचा गया।

घोषणा

8 मिनी सचिवालय इनडोर स्टेडियम तथा राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल के लिए राशि स्वीकृत करने की घोषणा

देवभूमि के पहाड़ों तक ट्रेन चलने का सपना हो रहा सचः मुख्यमंत्री धामी

वंदे भारत

8 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया देहरादून-लखनऊ के लिए वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकास रेल पटरी पर सरपट दौड़ रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देवभूमि में पहाड़ तक ट्रेन पहुंचने का सपना सच होने जा रहा है। कर्णप्रयाग से ऋषिकेश तक रेल लाइन का काम तेजी से चल रहा है। जल्द ही इस पटरी पर ट्रेन रफ्तार भरेगी।

मुख्यमंत्री धामी मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देहरादून-लखनऊ-देहरादून वंदे भारत ट्रेन का शुभारम्भ एवं एक स्टेशन-एक उत्पाद स्टॉल का वर्चुअल हुए लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। रेलवे स्टेशन देहरादून पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री धामी के अलावा राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने प्रतिभाग किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने 85 हजार करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण या शिलान्यास किया। उत्तराखंड से भी कई ट्रेन प्रारंभ हुई हैं।

इस मौके पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि देहरादून-लखनऊ-देहरादून वंदे भारत ट्रेन से उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी बढ़ेगी। हाईस्पीड स्वदेशी ट्रेन वंदे भारत उभरते भारत की बुलंद तस्वीर प्रदर्शित करती है। यह ट्रेन देवभूमि के दुर्गम पहाड़ों पर दौड़कर एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देवभूमि में दो लाख करोड़ की योजनाएं धरातल पर उतरी हैं। रेलवे के क्षेत्र में भी 5120 करोड़ रुपये का आवंटित किया गया है। योजना के तहत छह स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री देश के साथ देवभूमि के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। जनसुविधा को लेकर भी प्रतिबद्ध हैं।

ओएसओपी से कारीगरों के हुनर को मिलेगी पहचान

एक स्टेशन-एक उत्पाद (ओएसओपी) योजना के तहत प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर स्टाल लगाए जा रहे हैं। इससे हस्तशिल्प कारीगरों, कुम्हारों, बुनकरों व शिल्पकारों के हुनर को पहचान मिलेगी ही, आजीविका के साधन भी उपलब्ध होंगे। प्रत्येक दुकान से चार से पांच हजार लोगों को रोजगार मिलेंगे।

रेलवे स्टेशनों पर जन औषधि केंद्र से यात्रियों को सस्ती दरों पर मिलेंगी दवाइयां

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के दो रेलवे स्टेशनों पर जनऔषधि केंद्र से यात्रियों को सस्ती दरों पर दवाइयां मिल सकेंगी। डबल इंजन की सरकार विकास के साथ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए काम कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने पंचायती वन निर्देशिका 2023 का किया विमोचन

विमोचन

8 मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ने कहा कि पाठकों के लिए भी यह निर्देशिका अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को अपने आवास के कैंप कार्यालय में पंचायती वन निर्देशिका 2023 का विमोचन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पाठकों के लिए भी यह निर्देशिका अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी।

इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य निर्माण के प्रारम्भ से ही पंचायती वनों के अधिकार वितरण में पंचायती वन नियमावली के अनुसार स्थानीय ग्रामीणों की ओर से अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती है।

राज्य सरकार की ओर से भी विभिन्न ऐसी योजनाओं का संचालन किया गया है, जिससे कि वन पंचायतों से जुड़े स्थानीय ग्रामीणों को वन संरक्षण व संवर्द्धन के लिए जागरूक करने के साथ ही विभिन्न आयपरक योजनाओं एवं उस क्षेत्र में ही लघु एवं कुटीर उद्योग से भी लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि इस वन पंचायत निर्देशिका के प्रकाशन से आम जनमानस को वन पंचायतों के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त होने के साथ-साथ पाठकों के लिए भी यह निर्देशिका अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी। इस अवसर पर वन मंत्री सुबोध उनियाल, प्रमुख वन संरक्षक अनूप मलिक, प्रमुख वन संरक्षक वन पंचायत डॉ.धनन्जय मोहन, मुख्य वन संरक्षक डॉ. पराग मधुकर धकाते मौजूद रहे।

न्यूज फ्लैश

गणेश दास बने लक्ष्मी निवास आश्रम के महंत

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
जगद्गुरु अयोध्याचार्य महाराज की अध्यक्षता में भूपतवाला स्थित लक्ष्मी निवास आश्रम में आयोजित आश्रम के साकेतवासी महंत जानकी दास महाराज के पुण्य स्मृति समारोह में सभी अखाड़ों के संत महापुरुषों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके शिष्य स्वामी गणेश दास को तिलक चादर प्रदान कर आश्रम का महंत नियुक्त किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जगद्गुरु स्वामी अयोध्याचार्य महाराज ने कहा कि साकेतवासी महंत जानकी दास महाराज दिव्य संत थे। भक्तों को धर्म व संस्कृति का ज्ञान प्रदान करने के साथ उन्होंने सनातन धर्म के प्रचार प्रसार में योगदान दिया। आश्रम के नवनियुक्त महंत गणेश दास महाराज को आशीर्वाद देते हुए उन्होंने कहा कि महंत गणेश दास आश्रम की सेवा परंपरा को आगे बढ़ाएंगे और अपने गुरु के अधूरे कार्यो को पूरा करेंगे। कोठारी महंत जसविन्दर सिंह महाराज ने कहा कि साकेतवासी महंत जानकीदास महाराज ने जीवन पर्यन्त धर्म संस्कृति के संरक्षण और मानव कल्याण में योगदान दिया। सभी को उनके दिखाए मार्ग पर चलते मानव कल्याण में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त महंत गणेश दास महाराज अपने गुरु के पदचिह्नों पर चलते हुए मानव कल्याण में योगदान देंगे।

महंत राजेंद्र दास एवं महंत नारायण दास पटवारी ने कहा कि साकेतवासी महंत जानकी दास महाराज संत समाज के प्रेरणा स्रोत थे। आश्रम के नवनियुक्त महंत गणेश दास महाराज युवा एवं विद्वान संत हैं। संत समाज को पूरा विश्वास है कि महंत गणेश दास महाराज सनातन धर्म संस्कृति के संरक्षण संवर्द्धन में अपना पूर्ण योगदान देंगे। नवनियुक्त महंत गणेश दास महाराज ने सभी संत महापुरुषों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरुदेव साकेतवासी महंत जानकीदास महाराज से प्राप्त शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए मानव कल्याण और आश्रम की सेवा संस्कृति का विस्तार करना ही उनके जीवन का उद्देश्य है। इस अवसर पर महंत रघुवीर दास, महंत सूरज दास, महंत दुगार्दास, महंत हरीदास, महंत बिहारी शरण, स्वामी ज्ञानानन्द, स्वामी नित्यानन्द, स्वामी शिवानन्द भारती, स्वामी हरिवल्लभदास शास्त्री, महंत परमेश्वर दास, महंत किशोर दास सहित बड़ी संख्या में संत महापुरुष एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

इलेक्टोरल बॉन्ड के ब्योरे को चुनाव आयोग को उपलब्ध न कराने के विरोध में वामपंथियों ने दिया एसबीआई के परिसर में धरना

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
भारतीय स्टेट बैंक की ओर से सर्वोच्च न्यायालय की ओर से निर्धारित तिथि पर इलेक्टोरल बॉन्ड को केंद्रीय चुनाव आयोग को उपलब्ध न करने और समय विस्तार की मांग के विरोध में मंगलवार को वामपंथी पार्टी सीपीआई, सीपीएम और सीपीआई माले के कार्यकताओं ने चमोली जिला मुख्यालय गोपेश्वर स्थित भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा के परिसर में धरना दिया गया। साथ ही शाखा प्रबंधक के माध्यम से भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन को एक ज्ञापन भेजा गया।

सीपीएम के जिला मंत्री भूपाल सिंह रावत ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय की संवैधानिक पीठ की ओर से 15 फरवरी को इलेक्टोरल बॉन्ड की योजना को असंवैधानिक घोषित कर दिया गया है। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय स्टेट बैंक को छह मार्च तक राजनैतिक दलों को 12 अप्रैल 2019 से अब तक प्राप्त इलेक्टोरल बॉन्ड का ब्योरा केंद्रीय चुनाव आयोग को सौंपे जाने का आदेश दिया था। लेकिन यह खेदजनक है कि स्टेट बैंक की ओर से निर्धारित तिथि से दो दिन पहले चार मार्च को सर्वोच्च न्यायालय में इलेक्टोरल बॉन्ड को चुनाव आयोग को सौंपे जाने के लिए 30 जून तक का समय मांगा गया। बैंक का यह तर्क हास्यास्पद और अस्वीकार्य है कि सर्वोच्च न्यायालय की ओर से निर्धारित की गई तिथि इलेक्टोरल बॉन्ड को चुनाव आयोग को सौंपे जाने के लिए कम है। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल के दौर में बैंक के पास डिजिटल प्रारूप में इलेक्टोरल बॉन्ड की सूचना न होने की बात समझ से परे है। इससे साफ लग रहा है कि बैंक सरकार के भ्रष्टाचार को छुपाने का प्रयास कर रही है। इसका वामपंथी दल विरोध करते है। और मांग करते है कि अविलंब स्टेट बैंक इलेक्टोरल बॉड का ब्योरा केंद्रीय चुनाव आयोग को सौंपा जाए।

एक किलो गांजे के साथ एक गिरफ्तार

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत थाना सिडकुल पुलिस ने गश्त के दौरान पाल मार्केट रावली महदूद को जाने वाले तिराहे से एक व्यक्ति को गांजे के साथ गिरफ्तार किया। आरोपित के पास से एक किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। पुलिस पूछताछ में आरोपित की पहचान आकाश पुत्र लालू सिंह निवासी टांडा भागमल लक्सर रोड थाना लक्सर हरिद्वार हाल निवासी सम्राट मार्केट रावली महदूद थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार के रूप में हुई।

पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।

उतराखंड की जमीन पर यूपी के किसानों का अवैध कब्जा

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
लक्सर तहसील के गांव माडाबेला और शेरपुर बेला के किसानों की जमीन पर उत्तर प्रदेश के जिला बिजनौर के परगना मडावर के किसानों ने जबरन कब्जा कर रखा है। शिकायत पीड़ित किसानों ने लक्सर उपजिलाधिकारी से कर जमीन को कब्जा मुक्त करवाने की मांग की है। किसानों की शिकायत के आधार पर राजस्व विभाग को जांच के आदेश दे दिए हैं।

सुखदेव पुत्र भगवान सिंह, बलजीत पुत्र भगवान सिंह निवासी शेरपुर बेला औरगजेब सिंह पुत्र मंगत सिंह व बिजेन्द्र सिंह पुत्र सोहन सिंह निवासी ग्राम माडाबेला की खेती की जमीन उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश बॉर्डर पर आ रही है, जिसका सीमांकन किया जाना था, जो अब तक नहीं हो पाया है। इस सम्बंध में जिलाधिकारी बिजनौर ने 24 जनवरी 2008 को एक पत्र जिलाधिकारी हरिद्वार को प्रेषित किया था। किसानों का आरोप है कि प्रधान ग्राम पंचायत कुन्दनपुर अनुचित रूप से भू माफियाओं से अवैध लाभ प्राप्त करके जिला बिजनौर के कर्मचारियों को एक पक्षीय रूप से फर्जी रिपोर्ट बनावाकर मौजूदा शेरपुर बेला महाजी टीप के मूल रकबे को भी अपने मौके की भूमि बताकर रात्रि में लोगों के खेतों को जबरन जुताई कर फसलों को नष्ट कर देते हैं। जब तक सीमाकंन कार्य न हो जाए तब तक मौके पर यथास्थिति के आदेश किये गये थे। आए दिन सीमा विवाद पर दोनों पक्षों में मारपीट होती रहती हैं।

पीड़ित किसानों ने उपजिलाधिकारी लक्सर को लिखित प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। उन्होंने बताया कि इस जमीन पर मामला तनावपूर्ण है, कभी भी कोई भी घटना घट सकती है। इस मामले की जानकारी लक्सर उप जिलाधिकारी गोपाल सिंह चौहान से ली तो उन्होंने बताया कि मामला मेरे संज्ञान में आया है।

खानपुर विधानसभा की कुछ जमीन जो उत्तर प्रदेश की सीमा से लगी है, जिस पर उत्तर प्रदेश के कुछ लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहाकि कब्जाधारकों ने अपने क्षेत्रीय लेखपाल की रिपोर्ट पर जमीन पर कब्जा किया है।

चोरी की साजिश रचते चार शातिर दबोचे

बाइक बरामद

8 नगर कोतवाली पुलिस ने आरोपितों के पास से चार ब्लेड व एक बाइक बरामद की है

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
नगर कोतवाली पुलिस ने चोरी की साजिश रच रहे चार शातिर आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से चार ब्लेड व एक बाइक बरामद की है।

कोतवाली नगर स्थित हरकी पैडी के समीप धनुष पुल के सामने सिंचाई विभाग की गुमटी में चार व्यक्तियों को चोरी करने की रचते हुए चोरी के उपकरण एवं एक स्कूटी व एक मोटर साइकिल के साथ पुलिस ने धर दबोचा। पूछताछ में आरोपितों ने अपने नाम व पते अमर सिंह, निवासी जगदीशपुर गार्डन टपरी रोड निकट डेराबन्दा नवाज थाना सदर जनपद सहारनपुर उ.प्र. हाल राजकुमार का मकान ।-49 विष्णुगार्डन थाना कनखल हरिद्वार, सोनू निवासी डंधेडा थाना नागल जिला सहारनपुर उत्तर प्रदेश हाल पता पवन चौहान का मकान बहादराबाद हरिद्वार, करन निवासी भूपतवाला हरिद्वार व निखिल निवासी लालजीवाला कोतवाली नगर हरिद्वार बताए हैं।

नाबालिग छात्रा ने शिक्षक पर लगाया छेड़छाड़ का आरोप

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
कक्षा सात में पढ़ने वाली एक नाबालिग छात्रा ने अध्यापक पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। मामला सिविल लाइंस कोतवाली रूड़की क्षेत्र के एक गांव का है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपित के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। सिविल लाइंस क्षेत्र स्थित एक जूनियर प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक पर कक्षा सात की छात्रा ने छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया। मामला छात्रा के परिजनों तक पहुंचा तो ग्रामीणों की भारी भीड़ स्कूल में जमा हो गई।

मंत्री प्रेमचंद ने खेल क्षेत्र में नाम रोशन कर रहीं बालिकाओं को किया सम्मानित

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला कार्यकताओं व खेल क्षेत्र में नाम रोशन कर रहीं बालिकाओं को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि मातृ शक्ति के बिना किसी भी विकसित राष्ट्र की कल्पना नहीं की जा सकती।

मंगलवार को बैराज रोड स्थित कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में डॉ अग्रवाल ने कहा कि मातृ शक्ति के सहयोग के बिना किसी भी समाज अथवा राष्ट्र का संपूर्ण विकास नहीं हो सकता। भारत वर्ष में अनादिकाल से महिलाओं की शक्ति के रूप में पूजा की जाती रही है, महिला समाज की मार्गदर्शक के साथ ही प्रेरणा का स्रोत भी है।

डॉ अग्रवाल ने कहा कि महिला शक्ति राष्ट्र शक्ति है। नारी को हमारे शास्त्रों में महिलाओं के सम्मान में कहा गया है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यंते, रमंते तत्र देवता यानी जहां नारियों की पूजा होती है, वहां देवताओं का वास होता है। महिलाओं के बेहतर भविष्य के लिए उनका वर्तमान संवारने के लिए राज्य सरकार कारगर प्रयास किए जा रहे हैं।

डॉ अग्रवाल ने कहा कि हमारी सरकार मातृशक्ति के उत्थान को समर्पित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सरकार ने महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित किये जा रहे हैं।

केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना समेत अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उसी दिशा में राज्य सरकार भी महिलाओं के हितों में अनेक योजनाएं संचालित कर रही है।

हरिद्वार से ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगा भाजपा उम्मीदवारः मदन

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं हरिद्वार नगर विधायक मदन कौशिक ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का हरिद्वार लोकसभा क्षेत्र का उम्मीदवार ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगा।

कौशिक मंगलवार को मध्य हरिद्वार में आयोजित विधानसभा के चुनाव कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि चुनाव की तैयारी की दृष्टि से भारतीय जनता पार्टी अन्य राजनीतिक दलों से बहुत आगे है, जिसका लाभ निश्चित रूप से आगामी चुनाव में पार्टी को मिलेगा। मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 सालों में जिस प्रकार से हरिद्वार सहित पूरे देश में विकास कार्य हुए हैं, वह अपने आप में एक मिसाल है। इस बार हरिद्वार लोकसभा में चुनाव की जीत पिछले सभी अंतर को न केवल ध्वस्त करेगी, बल्कि एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगी।

भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप गोयल ने कहा कि हरिद्वार के संगठनात्मक जनपद में पांच विधानसभाएं हैं, लेकिन हरिद्वार विधानसभा के कार्यकर्ता बहुत उत्साहित हैं और हरिद्वार विधानसभा की जीत पूरी लोकसभा में सबसे बड़ी जीत होगी।

कार्यक्रम में पूर्व महापौर मनोज गर्ग, विधानसभा चुनाव प्रभारी योगेश चौहान, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विकास तिवारी, आभा शर्मा, श्रीमती अनु कक्कड़, भाजपा मंडल अध्यक्ष हीरा सिंह बिष्ट, तरुण नैय्यर, राजेश शर्मा, दीपांशु विद्यार्थी, कार्यालय प्रभारी सुभाष चंद्र, किशन बजाज विनीत जौली, अनिरुद्ध भाटी, रंजना चतुर्वेदी, संजय अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

ऋषिकेश स्टेशन पर एक स्टेशन-एक उत्पाद स्टॉल और जनऔषधि केंद्र का उद्घाटन

शिलान्यास

8 प्रधानमंत्री ने वर्चुअली किया देशभर में रेलवे की 85 हजार करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय रेल की 85 हजार करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का अहमदाबाद से वर्चुअली शिलान्यास और लोकार्पण किया। इनमें ऋषिकेश स्टेशन पर एक स्टेशन-एक उत्पाद स्टॉल और जन औषधि केंद्र का उद्घाटन हुआ। प्रधानमंत्री ने देहरादून से लखनऊ के लिए एक वंदे भारत ट्रेन का भी शुभारंभ किया।

मंगलवार की सुबह योगनगरी रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअली रूप से जुड़े डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल उत्तराखंड में रेल बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में उत्तराखंड राज्य में 17 हजार करोड़ से अधिक की तीन नई रेलवे ट्रेक परियोजनाएं प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि इस साल के बजट में उत्तराखंड को रेल के लिए 5120 करोड़ का रिकॉर्ड आवंटन किया गया है और 11 स्टेशनों को विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशनों के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है।

डॉ अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल स्वर्णिम युग की ओर बढ़ रही हैं। पिछले 10 वर्ष में भारतीय रेलवे को नए भारत की आकांक्षाओं तथा आत्मनिर्भर भारत की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता और आधुनिकता के प्रतीक चिन्ह के रूप में वंदे भारत जैसी मेड इन इंडिया ट्रेनें रेल नेटवर्क का हिस्सा बन रही हैं।

डोईवाला विधायक बृज भूषण गैरोला ने कहा कि आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखंड के पहाड़ों पर ट्रेनें चलाने का सपना सच होने जा रहा है। दुर्गम पहाड़ों के बीच से ऋषिकेश से आगे कर्णप्रयाग तक ट्रेन का संचालन होना किसी सपने का साकार होने जैसा है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेललाइन पर तेज गति से कार्य चल रहा है। टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन पर भी सर्वे का कार्य पूर्ण हो गया है और जल्दी ही इसमें भी काम शुरू हो जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत उत्तराखंड के छह स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। देहरादून से आनन्द विहार के बीच इसी वर्ष वंदे भारत ट्रेन का संचालन होना हमारे लिए बड़ी उपलब्धि है। अब शीघ्र ही हमें देहरादून से अयोध्या और वाराणसी के मध्य भी वंदे भारत ट्रेन के संचालन की सौगात मिलने वाली है।

विहिप ने किया सीएए का स्वागत

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
विश्व हिन्दू परिषद के प्रान्त अध्यक्ष रविदेव आनन्द ने देश में लागू हुए नागरिकता संशोधन अधिनियम का स्वागत करते हुए कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम को लागू करने का निर्णय ऐतिहासिक है। इससे पाकिस्तान, बांग्लादेश व अफगानिस्तान में धर्म के आधार पर भय, भेदभाव, अत्याचार, आतंक और धर्मांतरण से पीड़ित अल्पसंख्यक समुदाय को सम्मानजनक जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त होगा।

नागरिकता संशोधन अधिनियम किसी भी नागरिक या समुदाय की नागरिकता छीनने का नहीं वरन नागरिकता देने का कानून है। विश्व हिन्दू परिषद इस ऐतिहासिक निर्णय को देश में लागू कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह का आभार प्रकट करती है।

रविदेव आनंद ने कहा कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धर्म के आधार पर प्रताड़ित शरणार्थियों के लिए भारत की नागरिकता प्राप्त करने का रास्ता अब साफ हो गया है। इस कानून से तीनों देशों के पीड़ित अल्पसंख्यक समुदाय के व्यक्ति भारत में नागरिकता प्राप्त कर सम्मान और समान अधिकार के साथ जीवन यापन कर सकते हैं। यह उन सभी व्यक्तियों को शरण, सम्मान और प्रतिष्ठा देने की भारतीय सनातन संस्कृति के अनुरूप है, जो बाहर के देशों में धर्म के आधार पर पीड़ित और अपमान सहते हैं। तत्पश्चात भारत माता की शरण लेते हैं। विश्व हिन्दू परिषद नागरिकता संशोधन अधिनियम के अंतर्गत भारत की नागरिकता प्राप्त करने जा रहे सभी का हार्दिक अभिनन्दन करती है।

मुख्यमंत्री ने दुग्ध उत्पादकों के लिए दरों में एक रुपये बढ़ाने की घोषणा की

पशुधन मिशन

8 -राज्य सरकार पशुपालकों के कल्याण और उत्थान के लिए है प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को राज्य पशुधन मिशन योजनान्तर्गत लाभार्थियों को चेक वितरित किए। इस दौरान उन्होंने आंचल ब्राण्ड के शहद और इनामी योजना का भी शुभारंभ करते हुए भराड़ीसैंण में बद्री गाय ट्रेनिंग सेण्टर खोलने और दुग्ध दरों में एक रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की घोषणा की।
मुख्यमंत्री धामी मंगलवार को हाथीबड़कला में सर्वे ऑफ इण्डिया स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि किसान और पशुपालक देश, राज्य के विकास की नींव होते हैं। राज्य सरकार पशुपालकों के कल्याण और उत्थान के लिए प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है। किसानों और पशुपालकों की आय में बढ़ोतरी करने और स्वरोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से राज्य पशुधन मिशन योजना शुरू की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार अंत्योदय के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। साथ ही अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचकर उनका उत्थान व सशक्तिकरण सुनिश्चित करने को संकल्पित हैं।
मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अगले दो वर्ष में दुधारू पशुओं, खच्चर, भेड़-बकरी, सूकर और मुर्गी पालन की लगभग 4500 इकाइयों की स्थापना के लिए ऋण उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह योजना सुदूर पर्वतीय क्षेत्रों में पारिवारिक पोषण और आजीविका को सुरक्षित बनाने के साथ ही पलायन को रोकने में भी मील का पत्थर साबित हुई है। छोटे स्तर पर पशुपालन करने वाले किसानों की समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने कई अभूतपूर्व योजनाएं शुरू की हैं।
मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पहली बार गोट वैली योजना संचालित की जा रही है, जिसके जरिए लगभग 1500 लाभार्थियों को एनसीडीसी के ऋण सहित लगभग 17 हजार से अधिक बकरियां वितरित की गई हैं। पोल्ट्री वैली और ब्रायलर फार्म की स्थापना करते हुए राज्य के कुक्कुट पालकों को कुक्कुट पालन व्यवसाय के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिसके तहत 10 जिलों में 4000 कुक्कुट पालकों को लाभान्वित किया जा चुका है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार भी किसानों और पशुपालकों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। देश में पहली बार "नेशनल डिजिटल लाईवस्टेक मिशन योजना" उत्तराखण्ड से प्रारम्भ की है। केंद्र सरकार की सहायता से 60 मोबाइल वेटनरी यूनिटों के माध्यम से पशुपालकों के द्वार पर पशुचिकित्सा, टीकाकरण, रोग परीक्षण आदि सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। अब तक सवा लाख से अधिक पशुओं की चिकित्सा की जा चुकी है।

95 विकासखण्डों में पशुचिकित्सा व पशु प्रजनन सेवाएं होंगी सुनिश्चित

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इस वर्ष 35 और मोबाइल वेटनरी यूनिट स्थापित कर राज्य के सभी 95 विकासखण्डों में पशुचिकित्सा व पशु प्रजनन सेवाएं सुनिश्चित करेंगे। केंद्र सरकार की ओर से संचालित "राष्ट्रीय गोकुल मिशन" योजना के तहत देहरादून में स्वदेशी गोवंशीय प्रजातियों के लिए प्रथम बार भ्रूण प्रत्यारोपण उत्कृष्ठता केन्द्र स्थापित किया गया है।

जैविक खेती का मूल आधार भी पशुपालनः मंत्री गणेश जोशी

इस मौके पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि बिना पशुपालन के कृषि की कल्पना नहीं की जा सकती है और जैविक खेती का मूल आधार भी पशुपालन ही है। उन्होंने सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुये कहा कि विभिन्न विभागों में पांच हजार से अधिक नियुक्तियां और नकल विरोधी कानून को सख्ती से लागू किया गया है।

185 आवेदनों के लिए चार करोड़ आठ लाख रुपये स्वीकृतः सौरभ बहुगुणा

राज्य के पशुपालन, दुग्ध विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि पशुपालन विभाग से सम्बन्धित जितनी भी नीतियां हमने मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत कीं, उन्हें उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। जिसके परिणामस्वरूप आठ नई नीतियां बनाई गयीं। प्रदेश में पहली बार लाइव स्टॉक मिशन की स्थापना की, जिसके तहत 1800 आवेदन प्राप्त हुये, जिनमें से 185 आवेदनों के लिये चार करोड़ आठ लाख की धनराशि स्वीकृत की गयी और हमारा प्रयास है कि जितने भी आवेदन आये हैं, उन्हें भी इसके तहत लाभान्वित किया जाये।
इस अवसर पर गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र अंथवाल, अध्यक्ष ग्रामीण बैंक हरिहर पटनायक, निदेशक पशुपालन नीरज सिंघल, अपर निदेशक पी.एस भण्डारी, नीरज बोरा, लाभार्थीगण सहित सम्बन्धित पदाधिकारी एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

गदा के साथ हनुमान के रूप में दिखे धामी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को ऊधमसिंह नगर के बाजपुर में एक रोड शो किया। इस रोड शो में मुख्यमंत्री धामी गदा लिए हनुमान के रूप में नजर आये।

बाजपुर में रोड शो के दौरान जनसैलाब उमड़ आया। पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित जनता ने सड़क के दोनों तरफ खड़े होकर फूल बरसाकर मुख्यमंत्री धामी का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। रोड शो में अधिकांश लोगों के सिर पर टोपी, हाथ में भाजपा का झंडा और तन-मन भगवा दिखा। हिंदू-मुस्लिम, सिख, ईसाई सब एक साथ चल रहे थे। भगवामय रोड शो में एकता और समता का भाव दिखा।
रोड शो में पारंपरिक पहनावों से सजे लोगों के जत्थे और लोक कलाकारों की सांस्कृतिक झांकी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहे। पारंपरिक वाद्य यंत्रों की प्रस्तुतियों से रोड शो में हर कोई झूमता दिखा। वहीं मुख्यमंत्री धामी अभिभूत नजर आए और उन्होंने खुद आम लोगों व कलाकारों पर फूल बरसाते हुए परंपराओं के प्रति अपने अनुराग को अभिव्यक्त भी किया। रोड शो में सभी भगवामय दिखे। तन-मन और वेशभूषा के साथ पूरा रोड शो भगवामय नजर आया।

वन पंचायत प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण में दी विभिन्न उद्यमों की जानकारी

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिला मुख्यालय गोपेश्वर में गढ़वाल विश्व विद्यालय श्रीनगर के वानिकी एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग की ओर से वन पंचायत प्रतिनिधियों के लिए आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में दूसरे दिन मंगलवार को सरकार की ओर से संचालित विभिनन उद्यमों के बारें में जानकारी दी गई। कार्यशाला में जड़ी बूटी शोध एवं विकास संस्थान मंडल के वैज्ञानिक डॉ. सीपी कुनियाल ने प्रदेश में जड़ी बूटी के क्षेत्र में हो रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी।

अपने 25वें वर्ष में देश का अग्रणी राज्य होगा उत्तराखंडः वित्तमंत्री

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 88वीं विशेष बैठक का आयोजन सोमवार को स्थानीय एक होटल में किया गया। राज्य के वित्त मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का होगा। मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य जब 25 वर्ष का होगा तो देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा, इसके लिए सरकार प्रयासरत है।
वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि सरकार की ज्यादा से ज्यादा योजनाओं का लाभ जनता को मिले, यह सभी का ध्येय होना चाहिए। बैंकिंग के क्षेत्र में उत्तराखंड में पहले की अपेक्षा में

काफी सुधार आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता संभालते ही सबसे पहले गरीब की चिंता की। गरीब का खाता किसी ने नहीं खोला था, लेकिन उन्होंने यह कार्य सबसे पहले किया।

ऋण वितरण में निजी बैंकों की भूमिका बढ़ाने पर बल

उन्होंने कहा कि राज्य की जीडीपी वर्ष 2022-23 में 7.3 प्रतिशत रही है। इस बार 88 हजार करोड़ से ज्यादा का बजट पेश किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक हैं। उन्होंने ऋण वितरण में निजी बैंकों की भूमिका को और अधिक बढ़ाने पर बल दिया।

88 गांव में बैंक खुले, 15 और खुलेंगे

उन्होंने कहा कि राज्य में अभी तक 103 गांव ऐसे थे जहां बैंक की शाखाएं नहीं थी, लेकिन अब इनमें से 88 गांव में बैंक खुल चुके हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि बहुत शीघ्र बाकी 15 बैंकों में बैंक शाखा खुल जाएंगी। वित्त मंत्री ने कहा कि बैंक अपनी योजनाओं के बारे में ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार करें। बैठक में अवगत कराया गया कि राज्य एवं केंद्र सरकार की ऋण योजनाओं के अंतर्गत वर्ष 2023-24 में 29 फरवरी 2024 तक मुद्रा योजना में 142 प्रतिशत, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना में 106, एमएसएमई में 102, एनयूएलएम में 101, वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना में 99, प्रधानमंत्री स्वनिधि में 84 प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति की गई है। विभिन्न बैंकों ने सीडी रेशियो की प्रगति से भी अवगत कराया। भारतीय स्टेट बैंक ने 40 प्रतिशत, पंजाब नेशनल बैंक ने 39 प्रतिशत, बैंक ऑफ बड़ौदा ने 49.6 प्रतिशत, उत्तराखंड ग्रामीण बैंक ने 47.47 प्रतिशत, उत्तराखंड सहकारी बैंक ने 61.42 प्रतिशत व आईसीआईसीआई ने 58 प्रतिशत सीडी रेशियो प्राप्त किया।

न्यूज फ्लैश

सीएए लागू होने पर भाजपा-एनजीओ प्रकोष्ठ ने बांटी मिठाई

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ ने के प्रदेश सह-संयोजक मधु जैन ने केंद्र सरकार द्वारा नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू करने पर श्रीदेव सुमन नगर में अल्पसंख्यक महिलाओं के बीच मंगलवार को मिठाई वितरित किया।
मधु जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जो गारंटी दी थी उसको पूरा किया। कार्यक्रम संयोजक अल्पसंख्यक प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य परवीन खान ने कहा कि सीएए लागू होने की हमें बहुत खुशी है। इस मौके पर भाजपा मंडल उपाध्यक्ष राजकुमार तिवारी, युवा मोर्चा प्रदेश मंत्री राजेश रावत, प्रदेश सह संयोजक सुशील बहुगुणा, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष चंदा सागर उनियाल, आदि उपस्थित थे।

महाविद्यालय के जरूरतमंद छात्रों को बांटी छात्रवृत्ति

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के कर्णप्रयाग महाविद्यालय के 15 जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को कमला देवी, गौरीदत्त मित्तल पीजी कालेज सरदार शहर चुरू राजस्थान की ओर से दो-दो हजार रुपये की छात्रवृत्ति मंगलवार को वितरित की गई।
महाविद्यालय के प्राचार्य डा. केएल तलवाड ने बताया कि कमला देवी, गौरीदत्त मित्तल महिला पीजी कालेज सरदार शहर चुरु राजस्थान की ओर से छात्रवृत्ति के लिए तीस हजार रुपये की धनराशि प्राप्त हुई थी। महाविद्यालय स्तर पर गठित छात्रवृत्ति के संयोजक डा.मदन लाल शर्मा, सदस्य डा. केआर डंगवाल, डा.हिना नौटियाल, डा. स्वाति सुंदरियाल और डा. सुशील सती ने 15 जरूरतमंद विद्यार्थियों का चयन किया।
मंगलवार को आयोजित एक कार्यक्रम में सोहन कुमार, संजना पटेल, रिकिता, दीपक बुटोला, आस्था चमोला, प्रियंका, अजय कुमार, पवन नेगी, आरती कंडारी, नैनसी, रजनी गौड़, निकिता, गंगा, पूजा और मयंक भंडारी को दो-दो हजार की नकद धनराशि दी गई। प्राचार्य ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी अग्रवाल जातीय कोष के प्रति आभार जताते हुए छात्रवृत्ति से लाभान्वित विद्यार्थियों से कहा कि वे विद्यार्थी जीवन से ही अपने लक्ष्य का निर्धारण करें और निरंतर अध्ययन को अपनी सफलता का मार्ग बनायें।

बेटी की शादी का सामान लेकर आ रहा वाहन दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत

दुर्घटना

8 धारी के पलड़ा में बीती रात एक बड़ी दुर्घटना में एक वाहन अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया।

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया
जिले के धारी विकासखंड के पलड़ा में बीती रात एक बड़ी दुर्घटना में एक वाहन अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। दुर्घटना में पिकअप सवार एक युवक की मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए। इनमें से चार गंभीर घायलों को हल्द्वानी के डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय भेजा गया है।

जानकारी के अनुसार पिकअप वाहन से जगदीश अन्य लोगों के साथ अपनी बेटी की शादी का सामान हल्द्वानी से लेकर हरीनगर सरना जा रहे थे। रात्रि करीब आठ बजे पिकअप अपने गंतव्य गांव पहुंचने से पहले करीब एक किलोमीटर पलड़ा के पास अनियंत्रित होकर करीब 100 फिट गहरी खाई में गिर गयी। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान चलाया। काफी मशक्कत के बाद करीब डेढ़ घंटे में सभी आठ लोगों को करीब 100 फीट खाई से निकालकर सड़क तक पहुंचाया। यहां से ग्रामीणों ने निजी वाहनों से आठ घायलों को पदमपुरी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां चिकित्सक डॉ. सुष्मित ह्यांकी ने घायल 52 वर्षीय दीवान राम निवासी लमगड़ा अल्मोड़ा को मृत घोषित कर दिया।
दुर्घटना में गंभीर रूप से चार घायल गिरीश चंद्र, जगदीश चंद्र, संतोष कुमार और दीपक कुमार को हल्द्वानी के डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया। इनमें से दो की हालत चिंताजनक बतायी गयी है। इसके अलावा अरविंद, सुंदर कुमार, हरीश चंद्र को मामूली चोटें आयी थीं।

जगदीश की बेटी की बुधवार को आनी है बारात

बताया गया है कि दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल जगदीश चंद्र की बेटी मनीषा की 13 मार्च को शादी होना तय है। मंगलवार को घर में महिला संगीत का कार्यक्रम होना है।

एनवाईके जूहा भिकोना में आयोजित की खेलकूद प्रतियोगिता

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के पोखरी विकास खंड के जूनियर हाईस्कूल भिकोना में मंगलवार को नेहरू युवा केंद्र चमोली की ओर से ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें दौड़, कबड्डी और खो-खो की प्रतियोगिता संपन्न हुई।
भिकोना में आयोजित ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के सौ मीटर की आंचल प्रथम, प्रिया द्वितीय तथा दीक्षा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कबड्डी में डुंगर विजेता तथा भिकोना उप विजेता रहा जबकि खो-खो में भिकोना विजेता तथा डुंगर उपविजेता रहा।

योग्य शिष्य ही गुरु की कीर्ति को बढ़ाते हैंः विष्णु दास

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
महंत विष्णु दास महाराज ने कहा कि योग्य शिष्य ही गुरु की कीर्ति को बढ़ाते हैं। वह श्रवणनाथ नगर स्थित श्री रामानंद आश्रम में साकेत वासी महामंडलेश्वर महंत भगवान दास महाराज की छठी पुण्य तिथि पर आयोजित गुरु स्मृति महोत्सव को संबोधित कर रहे थे।
इस अवसर पर महंत विष्णु दास महाराज ने कहा कि साकेत वासी महामंडलेश्वर महंत भगवान दास महाराज विद्वान संत थे। धर्म शास्त्रों का उनका ज्ञान विलक्षण था। गुरु के रूप में ऐसे विद्वान संत का सानिध्य भाग्यशाली व्यक्ति को

मिलता है। महंत प्रेम दास महाराज सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें साकेत वासी महंत भगवान दास महाराज के सानिध्य में धर्म और अध्यात्म की शिक्षा दीक्षा प्राप्त करने का अवसर मिला।
पूर्व पालिकाध्यक्ष सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि गुरू से प्राप्त ज्ञान और संत परंपराओं का अनुसरण करते हुए महंत प्रेम दास महाराज को समाज का मार्गदर्शन करने के साथ धर्म संस्कृति के प्रचार प्रसार में भी योगदान करते देखना सुखद व प्रेरणादायक है। महंत प्रेम दास, महंत हरि दास, महंत राजेंद्र दास, महंत प्रमोद दास, महंत जयराम दास ने सभी सतों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर महंत गोविंददास, स्वामी रविदेव शास्त्री, स्वामी दिनेश दास, महंत प्रमोद दास, महंत सूरज दास, महंत बालक दास, महंत नारायण दास पटवारी, महंत गंगादास उदासीन, स्वामी शिवानंद, महंत सूरज दास, महंत बिहारी शरण, स्वामी विवेकानंद, महंत विंध्यवासिनी महाराज, महंत अंकित शरण, महंत दुर्गा दास सहित बड़ी संख्या में संत व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भाजपा को भारत का संविधान स्वीकार नहीं, कर रही बदलने की कोशिशः कांग्रेस

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड कांग्रेस ने भाजपा के चार सौ सीट पर जीत के बयान को लेकर मंगलवार को जमकर हमला बोला। प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि भाजपा ने भारत के संविधान को कभी स्वीकार नहीं किया है। अब उसे बदलने की कोशिश में है।

हमला

8 - एक सौ दिन के रोजगार से सामाजिक उत्थान होने वाला नहीं: करन माहरा

देहरादून के राजपुर रोड स्थित प्रदेश कार्यालय राजीव भवन पर मंगलवार को हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि अगर भाजपा फिर से सत्ता में आई तो वह बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान को बदल देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा 140 करोड़ की आबादी में देश के महज 23-24 लोगों के 16 लाख करोड़ रुपये माफ कर चुकी है। देश की सरकारी संस्थाओं को लगातार प्राइवेटाइजेशन किया जा रहा है। इससे मध्यम वर्ग के सामने संकट पैदा होने लगा है।

जितनी भागीदारी उतनी हिस्सेदारी, जाति जनगणना जरूरी

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जिसकी जितनी भागीदारी उतनी उसकी हिस्सेदारी होनी चाहिए। ऐसे में सामाजिक और आर्थिक उत्थान को लेकर समानता के लिए जाति जनगणना जरूरी है।
प्रदेश अध्यक्ष ने मनरेगा को लेकर केंद्र सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि मनरेगा से 100 दिन के रोजगार से सामाजिक उत्थान नहीं होने वाला है।

मंत्री गणेश जोशी ने किया कई विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मंगलवार को मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत देहरादून ग्राम पंचायत सेरकी में विभिन्न विभागों के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें से 269.99 लाख रुपये की योजनाओं का शिलान्यास और 15 लाख की विकास योजनाओं का लोकार्पण किया गया।
इस मौके पर मंत्री गणेश जोशी ने बताया कि सरोना नयाय पंचायत क्षेत्र में मंडी परिषद के माध्यम से 360 लाख रुपये, सीड्स के 90 लाख रुपये और विधायक निधि से 28 लाख की लागत से वर्ष 2023-24 में करवाये गये। क्षेत्र में बिजली, पानी की समस्या को प्राथमिकता पर निस्तारित किया गया है। ग्राम पंचायत में अभी कई विकास कार्य पूर्ण हो चुके और कई कार्य गतिमान है।

इनमें पीएमजीएसवाई के अंतर्गत मालदेवता-सेरकी में 16.97 करोड़ रुपये की लागत से 16 किलोमीटर की सड़क निर्माण कार्य, सहस्त्रधारा- सरोना में 9.91 करोड़ रुपये से 12 किलोमीटर की सड़क निर्माण कार्य, सुवाखोली-सरोना में 10.94 करोड़ रुपये से 12 किलोमीटर की सड़क निर्माण कार्य, सिंचाई विभाग से सरखेत में 4 करोड़ से सुरक्षात्मक कार्य और सहस्त्रधारा में लगभग 2.30 करोड़ से सुरक्षात्मक कार्य शामिल हैं। मंत्री गणेश जोशी ने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों में इस्तेमाल सामग्री का गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार मिलकर प्रदेश के चौमुखी विकास के लिए निरंतर अग्रसर होकर कार्य कर रही है।

इन योजनाओं का किया गया शिलान्यास

उन्होंने कहा कि इसके अलावा मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत सरोना न्याय पंचायत में 99.99 लाख की लागत से 5 किमी आंतरिक सीसी मार्ग एवं पुश्ता निर्माण का कार्य, एमडीडीए की अवस्थापना मद से स्वीकृत सेरकी में 130 लाख रुपये से सामुदायिक भवन का निर्माण, एमडीडीए की अवस्थापना मद से स्वीकृत सिल्ला में 40 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया है। इस अवसर पर स्वामी वेदानंद, अनुज कौशल, वीर सिंह चौहान, दिनेश ग्राम प्रधान, बालम बिष्ट, इतवार सिंह रमोला, राजपाल मेलवान, ग्राम प्रधान नरेंद्र रावत, रोशन लाल डबराल, सुंदर सिंह पयाल, घनश्याम नेगी, जगदीश पयाल, शैलेंद्र, ब्रह्म दत्त जोशी और महावीर सहित कई लोग उपस्थित थे।

संपादकीय

छोड़ें बीड़ी-सिगरेट और रहें स्वस्थ

धूम्रपान के आदी मित्रों और परिजनों को धूम्रपान छोड़ने के लिए मदद पाने को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष मार्च के दूसरे बुधवार को ह्यनो स्मोकिंग डे (धूम्रपान निषेध दिवस)ह्व मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस 13 मार्च को मनाया जा रहा है। यह दिवस पहली बार 1984 में आयरलैंड गणराज्य में मनाया गया था। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है, जो इस साल ह्यतंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बच्चों की सुरक्षाह्व विषय के साथ मनाया जा रहा है। दरअसल यह गहन चिंतन का विषय है कि पिछले कई दशकों में दुनियाभर में हुए अनेक अध्ययनों में यह प्रमाणित हो चुका है कि धूम्रपान हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास बच्चों को भी धूम्रपान करते देखते हैं तो स्थिति बेहद चिंताजनक प्रतीत होती है। ऐसे बच्चों के मन-मस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। चूंकि बच्चों का मन कोमल होता है, इसीलिए तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद वे यह समझने की स्थिति में नहीं होते कि धूम्रपान करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली पवनपुत्र हनुमान की भांति विशाल समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान एक ऐसा धीमा जहर है, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटता है और बच्चों पर तो इसका प्रभाव बहुत घातक होता है। धूम्रपान शरीर में कई प्रकार की प्राणघातक बीमारियों को जन्म देता है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्युशैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनता है। दुनियाभर में धूम्रपान के कारण हर साल 70 लाख से भी ज्यादा मौतें हो रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरुष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरुष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरुषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्ष में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नवजात शिशु धूम्रपान की वजह से असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है।

सीएए नागरिकता छीनने का नहीं, बल्कि देने का कानून है

ललित गर्ग

> “अपने देश में धर्म की राजनीति नई नहीं है, इसके पक्ष और विपक्ष में लगभग हर पार्टी राजनीतिक लाभ लेना चाहती है। इतनी देरी से इस कानून को लागू करने का एक कारण उसका बड़े पैमाने पर विरोध किया जाना दिखता है, देश में अराजकता, हिंसा एवं अशांति की संभावना को देखते हुए ही सरकार ने इसे उचित समय पर लागू करने का सोचा। यह उग्र एवं गैरवाजिब विरोध इस शरारत भरे दुष्प्रचार की देन था कि यदि यह कानून लागू हुआ तो देश के मुसलमानों की नागरिकता खतरे में पड़ जाएगी। इस दुष्प्रचार में कथित सिविल सोसाइटी के लोग ही नहीं, कई राजनीतिक दल भी शामिल थे। वे जानबूझकर मुस्लिम समुदाय को भड़काकर उसे सड़कों पर उत्तार रहे थे, जबकि इस कानून का किसी भी भारतीय नागरिक से कोई लेना-देना नहीं”

संसद में 11 दिसंबर, 2019 को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम अर्थात सीएए पारित होने के लगभग चार वर्ष के इंतजार के बाद केंद्र सरकार ने इसे लोकसभा चुनाव से पूर्व देश भर में लागू करके न केवल अपने राजनीतिक आलोचकों को अचंभित किया है, बल्कि देश अपने लोगों की न्यायपूर्ण नागरिकता सुनिश्चित करने की जरूरी दिशा में बढ़ चला है। यह कानून भारत की नागरिकता को संतुलित, औचित्यपूर्ण एवं समतामूलक बनाने की दिशा में साहसिक कदम है। इस नए कानून का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान जैसे देशों से आने वाले मुस्लिमों को अब भारत में सहजता से नागरिकता नहीं मिलेगी, जबकि इन देशों से आने वाले हिंदू, सिख, ईसाई व अन्य धर्म के लोगों को सहजता से नागरिकता हासिल हो जाएगी। कानून के तहत पात्र लोग नागरिकता के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। गौर करने की बात है कि पिछले दिनों से विपक्षी दलों के अनेक नेता सीएए को लागू करने का विरोध करते हुए एक वर्ग-विशेष के लोगों को अपने पक्ष में करने की कुचेष्ठा कर रहे हैं। जबकि भाजपा सरकार एवं उससे जुड़े शीर्ष नेतृत्व इसे लागू होने के संकेत दे रहे थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि आम चुनाव से पहले ही सीएए को लागू कर दिया जाएगा और जो कहा, उसे कर दिखाया है। चुनाव की घोषणा के ठीक पहले सीएए को लागू कर सरकार ने अपना एक वादा पूरा कर दिया है। अब इसे लागू करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से एक सार्थक पहल का सूत्रपात किया है।

सीएए पारित हो गया था और इस कानून को अधिसूचित भी कर दिया गया था, पर इसके लिए लोकसभा चुनाव की घोषणा के ठीक पहले देश में नागरिकता नियम तय नहीं हुए थे। कानून बन जाने के बाद नियम तय करना जरूरी होता है और नियम तय करने के लिए सरकार लगातार समय ले रही थी। इस वजह से सरकार की आलोचना भी हो रही थी। बहरहाल, नियम न तय होने से आगे नई लोकसभा में तकनीकी परेशानियां आ सकती थीं, अतः केंद्र सरकार ने चुनाव से ठीक पहले इस कार्य को अंजाम देकर एक तरह से अपना ही अधूरा काम पूरा किया है, एक साहसिक एवं समयोचित कदम उठाया है। यह पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं बंगलादेश से आये हिंदू,

सिख, ईसाई व अन्य धर्म के लोगों के लिये एक नये सूरज का उदय है। आगामी चुनाव एक तरह से सीएए पर जनमत संग्रह जैसा होगा। यहां यह याद करने की बात है कि सीएए लागू करने का वादा पिछले लोकसभा चुनाव और पश्चिम बंगाल में 2021 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ओर से उठाया गया प्रमुख मुद्दा था और इससे भाजपा को चुनाव में बहुत फायदा भी हुआ था। सीएए के सन्दर्भ में राजनीति से अलग होकर सोचना ज्यादा जरूरी है। जो मजबूर लोग पाकिस्तान, अफगानिस्तान या बांग्लादेश से भारत में आए हुए हैं, उनकी समस्याओं का समाधान देश के लिए प्राथमिकता होनी ही चाहिए। भूलना नहीं चाहिए, नागरिकता का तार्किक व मानवीय दृष्टिकोण इस देश की वसुधैव कुटुंबकम् की संस्कृति का अंग है।

सीएए के कारण भले ही तथाकथित अराष्ट्रवादी ताकतें एवं विपक्षी दल हिंसा एवं अराजकता का माहौल बना सकते हैं, लेकिन यह कानून एक आदर्श नागरिकता कानून है, लम्बे समय से इस कानून की जरूरत को महसूस करते हुए अनेक नागरिक घुटन एवं असंतुलित नागरिकता कानून के दंश को भोग रहे थे। व्यक्ति जिस समाज में जीता है, उसकी व्यवस्थाओं, नीतियों और परम्पराओं में जब घुटन का अनुभव करता है तो वह किसी नए मार्ग का अनुसरण करता है। आज आजादी के बाद की राजनीतिक विसंगतियों से पनपी ऐसी ही घुटन से नागरिकों को बाहर निकालने के प्रयत्न वर्तमान सरकार द्वारा हो रहे हैं। ऐसा ही एक विशिष्ट उपक्रम है सीएए। इसको लेकर भी गुमराह किया जा रहा है, राष्ट्र की एकता को विखंडित करने के प्रयास हो रहे हैं। सीएए को लेकर मुस्लिम समाज को भ्रमित करने की साजिश हुई है और चुनावी माहौल में यह और तीव्रता से होने की संभावना है। राजनीतिक लोग सीएए को मुस्लिम विरोधी बताने में लगे हुए हैं। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं हो सकती कि जिस कानून का किसी भारतीय नागरिक से कोई लेना-देना नहीं, उसे लेकर देश के विभिन्न हिस्सों में लोगों को सड़कों पर उतार दिया गया या फिर से उतारने के स्वर गूंजने लगे हैं। एक सुनियोजित साजिश के तहत लोगों को गुमराह किया गया है, यह साजिश जिस किसी ने भी रची हो, लोगों और खासकर मुस्लिम समाज को भड़काने का काम अनेक विपक्षी दलों ने किया। इनमें कांग्रेस सरीखे वे दल भी थे, जो एक समय इस कानून में वैसे ही संशोधन करने की मांग कर रहे थे, जैसे किए गए। राजनीतिक दलों के साथ-साथ तथाकथित सेक्युलर तत्वों और वामपंथी बुद्धिजीवियों ने भी यह भ्रम फैलाया कि सीएए कुछ लोगों की नागरिकता छीनने का काम कर सकता है, जबकि यह कानून तो नागरिकता देने के लिए है। सीएए का विरोध करने वाले राजनेताओं एवं उनके उकसाये लोगों को देश से जैसे कोई मतलब नहीं,

इन्हें सिर्फ अपना जनाधार चाहिए। वोट चाहिए। वोटों की संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीति के चलते राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को तार-तार किया जा रहा है? इन कानूनों में किसी के अहित की बात नहीं है, बल्कि जिनका अहित हुआ है, उनका हित निहित है, फिर क्यों बवाल है? पहले किसी भी गलत बात के लिए विदेशी हाथ का बहाना बना दिया जाता था। अब कौन-सा हाथ है? कौन चक्र चलाता है? कौन विरोधी स्वर घोलता है? आश्चर्य की बात यह कि जब पिछले दिनों सीएए-एनआरसी को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला शुरू हुआ तो एक सुर में कहा गया कि यह कांग्रेस ही है जो लोगों को भड़का रही है। यानी यह तो तय है कि कांग्रेस की उपस्थिति देश भर में है और उसका असर जनता के एक बड़े तबके पर है। इस बात को स्वीकारते हुए कांग्रेस की ताकत को इग्नोर करना राजनीति अपरिपक्वता को ही दशार्ता है। कांग्रेस अपनी जमीन मजबूत कर रही है, धीरे-धीरे वह अपनी खोई प्रतिष्ठा एवं जनाधार को हासिल करने में लगी है। इन स्थितियों को पाने के लिये वह सभी हदें पार कर रही है, मूल्यों एवं नीतियों को भी नजरअंदाज करने में भी उसे कोई संकोच एवं परहेज नहीं है। भारत का विभाजन मुस्लिमों की अलग राष्ट्र की मांग की वजह से हुआ था, अतः जिन मुस्लिमों ने भारत छोड़कर अलग देश में रहना चुना, उन्होंने भारत की नागरिकता मांगने का हक खो दिया। दूसरी ओर, सीएए का विरोध करने वालों का कहना है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के मुस्लिमों के साथ भारतीय नागरिकता देने में भेदभाव नहीं होना चाहिए। एक तर्क यह भी है कि धर्मनिरपेक्ष भारत में नागरिकता का फैसला किसी की आस्था के आधार पर नहीं होना चाहिए।

बहरहाल, अपने देश में धर्म की राजनीति नई नहीं है, इसके पक्ष और विपक्ष में लगभग हर पार्टी राजनीतिक लाभ लेना चाहती है। इतनी देरी से इस कानून को लागू करने का एक कारण उसका बड़े पैमाने पर विरोध किया जाना दिखता है, देश में अराजकता, हिंसा एवं अशांति की संभावना को देखते हुए ही सरकार ने इसे उचित समय पर लागू करने का सोचा। यह उग्र एवं गैरवाजिब विरोध इस शरारत भरे दुष्प्रचार की देन था कि यदि यह कानून लागू हुआ तो देश के मुसलमानों की नागरिकता खतरे में पड़ जाएगी। इस दुष्प्रचार में कथित सिविल सोसायटी के लोग ही नहीं, कई राजनीतिक दल भी शामिल थे। वे जानबूझकर मुस्लिम समुदाय को भड़काकर उसे सड़कों पर उत्तार रहे थे, जबकि इस कानून का किसी भी भारतीय नागरिक से कोई लेना-देना नहीं। वास्तव में यह नागरिकता छीनने का नहीं, बल्कि देने का कानून है।

कविता

तेरी नफरत ने दीवाना बना दिया

तेरी नफरत ने दीवाना बना दिया,
तेरे बिना बिंदास जीना सीखा दिया।

तेरी बेरुखी ने बे- आबरू किया मुझे,
बंदगी ने तेरी,मयकदे को घर बना दिया।।

तेरी-मेरी नफरत की मोहब्बत ने ,
मुझे आशिकी करना सिखा दिया।।

जरा रकीब को जी भर कर देख ले,
हालात ने हवा में उड़ना सिखा दिया।

जितनी मोजब्बत की,वैसी नफरत भी ।
देखो तुमने इश्क का मकबरा सजा दिया।।

मोहब्बत में सिर्फ आशिकी ही नहीं,
नफरत को भी तेरी हमने इबादत बना दिया।।

शमशीर से नहीं,नजरों से कत्ल हुआ मेरा।
तेरी आंखों ने हमें जीना सिखा दिया।

चलो रिश्ते को देते हैं, इक नया नाम,
तेरी नफरत ने मुझे अफसाना बना दिया ’

संजीव ठाकुर

नागरिकता संशोधन कानून, सुरक्षित हैं आप

प्रभुनाथ शुक्ल

नागरिकता संशोधन कानून यानी सिविल एबेडमेंड एक्ट (सीएए) आखिरकार देश में लागू हो गया है। इस कानून को लागू करना क्या मोदी सरकार की मजबूरी थी। यह कानून क्या इतना आवश्यक था कि लोकसभा चुनाव के ठीक पहले लागू किया जाता। क्या यह कानून पूरी तरह से पारदर्शी और देश के हित में है। क्या भारीतय मुसलमानों की नागरिकता पर इस कानून का कोई असर पड़नेवाला है। अगर ऐसा नहीं है तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसका विरोध क्यों किया जा रहा है। विपक्ष सरकार पर सवाल खड़े क्यों कर रहा है। देश के मुसलमानों को डराया क्यों जा रहा है। हिंदुत्व और संघ का एजेंडा इसे क्यों बताया जा रहा।

विपक्ष इस कानून पर भ्रम क्यों फैला रहा है। क्या चुनावी लाभ के लिए विपक्ष मुसलमानों में असुरक्षा की भावना पैदा करना चाहता है। क्या मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण के लिए इस कानून के संबंध में भ्रामक प्रचार किया जा रहा है ?

सवाल उठता है की क्या मोदी सरकार वास्तव में पारदर्शी रूप से इस कानून को लागू किया है। क्या सरकार कानून के जरिए हिंदू, बौद्ध, सिख, जैन और इसाई समुदाय का ध्रुवीकरण करना चाहती है। लोकसभा चुनाव के एन वक्त पर ऐसे कानून लाकर क्या भाजपा सीधा लाभ नहीं लेना चाहती। विपक्ष आखिर ऐसे कानून का विरोध क्यों कर रहा है। वह डर क्यों रहा है। सच तो यह है इस कानून के जरिए जहां सरकार गैर मुस्लिम मतों का ध्रुवीकरण करना चाहती है वहीं विपक्ष मुसलमानों को सीएए का भय दिखा कर मुस्लिम वोटो का ध्रुवीकरण करना चाहता है। हालांकि यह कानून लोकसभा चुनाव के बाद भी लागू किया जा सकता था। लेकिन गृहमंत्री अमित शाह बार-बार यह कह रहे थे कि नागरिकता संशोधन कानून चुनाव के पहले लागू किया जाएगा और लागू भी कर दिया गया। विचारणीय बिंदु यह है कि विपक्ष इस कानून को लेकर लोगों को भ्रमित क्यों कर रहा है। कानून को हिंदुत्व का एजेंडा क्यों बताया जा रहा है। क्या यह कानून एंटी मुस्लिम है। क्या इस कानून के लागू होने के बाद भारत में रहने वाले मुसलमानों की नागरिकता खत्म जाएगी। क्या देश के किसी भी नागरिक की नागरिकता समाप्त करने के लिए यह कानून लाया गया है। यह सब भ्रामक प्रचार है। इस कानून में इस तरह का कोई प्रावधान नहीं है। भारत में रहने वाले गैर हिंदू यानी मुसलमानों की नागरिकता पर कोई सवाल नहीं उठाता है। यह कानून सिर्फ उन्हीं गैर मुस्लिम अल्पसंख्यकों नागरिकता प्रदान करेगा जो पाकिस्तान, बग्लादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक रूप से प्रताड़ित हैं और 31 दिसम्बर 2014 से पूर्व भारत में शरणार्थी जीवन यापन कर रहे हैं। इसमें हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध और ईसाई अल्पसंख्यक शामिल हैं। कानून के लागू होने के बाद ऐसा भी नहीं होगा कि संबंधित अल्पसंख्यक भारत में आते रहेंगे और सरकार उन्हें भारतीय नागरिकता प्रदान करती रहेगी।

विचार

राष्ट्रवादी चिंतन देश की बौद्धिक संपदा

संजीव

राष्ट्रवाद सार्वभौमिक सत्य है। राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रवाद की भूमिका हमेशा अति महत्वपूर्ण रही है। देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी भी है कि उसकी राष्ट्र के प्रति गहरी निष्ठा,समर्पण हो, पर इसका कतई आशय नहीं है की सत्ता लोलुप राजनीतिक पार्टियां राष्ट्रवाद को धर्म संप्रदाय से जोड़कर सत्ता हथियाने का अवसर या अस्त्र बनाने का प्रयास करें, निसंदेह इस बात से राष्ट्रीय भावना विखंडित,आहत होती है। ऐतिहासिक तौर पर लगातार सत्ता पर बने रहने के लालच से कोई भी राजा सम्राट अथवा बादशाह चिंता नहीं रहा है’ वर्तमान परिदृश्य में राजनीतिक पार्टी के नेता भी सत्ता लोलुपता से परे नहीं है, इस संदर्भ में कई बार राष्ट्रवाद को धर्म से जोड़कर भावनात्मक तरीके से इसे सत्ता प्राप्ति का अस्त्र तथा अवसर बनाकर उपयोग किया जाता रहा है। सत्ता सदैव परिवर्तनशील होती रहनी चाहिए, यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की परंपरा को और मजबूत बनाती है’ लगातार सत्ता किसी भी सत्ताधीश को निरंकुश बनाकर अधिनायकवाद के बीज को रोपित करती है

देश में अवसरवादी राजनीतिक दलों की उपस्थिति जातिवादी समीकरण के अतिवादी दृष्टिकोण, अब परिपक्व लोकतांत्रिक संस्थाओं का परिचालन एवं आमजन की सीमित तर्क बुद्धि एवं और दूरदर्शिता के कारण कई बार जनता के दूरगामी लाभ के स्थान पर तात्कालिक लाभ की प्रक्रिया से अवसरवादी अभिमत तथा तुष्टीकरण की नीति से जनता के लाभ के अवसर को दूर ले जाते हैं’ राजनीतिक पार्टियों की अवसरवादी तथा पद लोलुपता की अभिवृत्ति जनता को तुरंत लाभ देने की सर दूरदर्शन नीति लोकतंत्र को बहुत बड़े खतरे की ओर ले जाती है एवं इससे राष्ट्रीय विकास की क्षमता में बहुत ज्यादा स्खलन होने की संभावना होती है’ जनता के हितों उनकी भावनाओं से खिलवाड़ कर शोषण करना अंततः राष्ट्रीय चरित्र तथा अनुशासन के स्थान पर आर्थिक तथा सामाजिक सुरक्षा चरित्र को जन्म देती है’ अवतारवाद राजनीति का एक अंग हो सकता है किंतु सदैव आशीर्वाद तथा पद लोलुपता राजनीति को गर्त में ले जाने सदस्य है यह अलग मुद्दा है कि जन भावना बहुमत की भावना तथा सामाजिक प्रथाएं एवं तात्कालिक हित किसी भी लोकतंत्र के लिए आवश्यक अंग हो सकते हैं लोकतंत्र में विशेष परिस्थितियों में जनता का समर्थन प्राप्त करना एवं उनके हितों की रक्षा के लिए नए उपायों की अवधारणा उचित हो सकते और आवश्यक भी, किंतु राजनीति में पद लोलुपता अवसरवादी ता एवं जातिवाद को विखंडित करने की नियत किसी भी दृष्टि से लोकतंत्र के हित में नहीं दिखाई देती हैं’ भारतीय परंपरा में भी शाम दाम दंड भेद सुशासन का प्रमुख उपकरण मान लिया गया है पर इसके दूरगामी परिणाम तुष्टीकरण के साथ-साथ अनुशासन की महत्ता को कमतर करने का कार्य करते हैं’ यह सुनिश्चित है कि बिना विकसित लोकतांत्रिक उपकरणों के लोकप्रियता को मापना एक दुष्कर कार्य हो जाता है कई बार कम संख्या परंतु मजबूत संगठन वाले समूह के हित के लिए अनुचित साधन बनकर रह जाते हैं, और यही कारक बहुमत के शासन के लोकतांत्रिक आदर्श के विपरीत चले जाते हैं’ लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों को अवसरवादी का पत्ता एवं दलबदल क्षति पहुंचाने के बहुत बड़े कारण हैं’ अवसरवाद तथा सत्ता की चाहत लोकतांत्रिक मूल्यों के दूरगामी दुष्परिणामों का बड़ा संकेत हो चुका है। भारतीय संविधान में भी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के छोटे-छोटे छिद्रों से राजनीतिक दल अवसर के जो ताने बाने बुनते हैं उससे राजनैतिक एवं ऐतिहासिक प्रति मानव को हमेशा नुकसान ही हुआ है। अब राजनीति में सिद्धांतों की प्रतिबद्धता बहुत निम्न स्तर पर पहुंच गई है जिससे लोकतांत्रिक नीतियों और सिद्धांतों मैं बहुत ज्यादा विसंगतियां पैदा हो चुकी हैं। लोकतंत्र में बहुमत के साथ अधिनायकवाद अवतारवाद सत्ता लोलुपता और जातिगत समीकरणों का गलत तरीके से उपयोग सामंतवादी आ लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को जन्म दे सकता है। जातिवादी मतदान की लोकप्रियता वादी मजबूरी के कारण खाप पंचायतों का उदय हुआ है जो पंचायती लोकतंत्र को प्रतिस्थापित कर के मूलभूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के पतन का कारण भी बन सकता है। धर्म तथा धार्मिक प्रथाओं में समानता एवं स्वतंत्रता का हनन धार्मिक लोकतंत्र के अंत का ही स्वरूप है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, दैनिक एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से छपवाकर प्रकाशित किया। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

इधर भाजपा का बढ़ता परिवार- उधर विपक्ष की गहराती निराशा

मृत्युंजय दीक्षित

एक ओर प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव के पूर्व जिन क्षेत्रों में भाजपा कुछ कमजोर लग रही है उन क्षेत्रों का सघन और तीव्र गति से दौरा कर रहे हैं और हजारों करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास के साथ रोड शो एवं जनसभाओं को संबोधत करके,ह्लअबकी बार चार सौ पारह्व और ह्लएक बार फिर मोदी सरकारह्व का नारा लगाकर भाजपा व राजग के पक्ष में एक वातावरण बना रहे हैं वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के नेता अपने आलाकमान की हरकतों के कारण लगातार कांग्रेस छोड़ रहे हैं और यही नहीं कांग्रेस के सहयोगी क्षेत्रीय दल भी कांग्रेस को ठेंगा दिखाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन 400 पार को कुछ सीमा तक सरल बनाने का कार्य कर रहे है। कांग्रेस आलाकमान की अकर्मण्यता और केवल परिवार को ही बढ़ावा देने की रणनीति के कारण कांग्रेस के नेतृत्व में बने इंडी गठबंधन की संभावनाएं आरम्भ में ही समाप्त होती दिखाई दे रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दक्षिण के राज्यों मे भाजपा की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व दक्षिणी राज्यों के उन सभी मंदिरों का दर्शन किया था जिनका सम्बन्ध राम या रामायण से है। दक्षिण के राज्यों में अपनी पैठ को बनाने के लिए भाजपा लगातार प्रयास कर रही है, काशी में दो बार आयोजित काशी तमिल संगमम इसका प्रमाण है। प्रधानमंत्री मोदी तमिलनाडु में लगातार जनसभाएं कर रहे हैं जिनमें वह द्रमुक के भ्रष्टाचार और घोटालों को लेकर काफी मुखर हो रहे हैं और वहीं द्रमुक नेताओं के सनातन विरोधी बयानों को भी मुददा बना रहे हैं। तमिलनाडु में प्रधानमंत्री मोदी की जनसभाओं में ऐतिहासिक भीड़ उमड़ रही है । अब देखना महत्वपूर्ण होगा कि तमिलनाडु में जहां भाजपा का वोट प्रतिशत कितना बढ़ पाता है ।

अन्नामलाई के नेतृत्व में भाजपा की राज्य इकाई भी सशक्त है तथा राज्य में धरातल पर सक्रियता बढ़ा रही है। तमिलनाडु भाजपा ने घर- घर कमल पहुंचाने के लिए पैदल यात्रा भी निकाली है। आंध्र प्रदेश - दक्षिण का दूसरा सबसे बड़ा किला आंध्र प्रदेश भाजपा के लिए सदा कठिन रहा हे किंतु इस बार भाजपा ने अपने पुराने सहयोगियों पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की पार्टी तेलुगूदेसम और पवन कल्याण की पार्टी जनसेना के साथ हाथ मिला लिया है।

देश पसंद है

डॉ. सुरेश कुमार

बेबी! तुम्हें ऐसा कैसा भूत चढ़ा है। सब कुछ अच्छा तो चल रहा है। इतनी खूबसूरत हो। इतनी जवान हो। अभी अगले दस साल तक तुम्हारे पास कोई फटकने वाला भी नहीं है। फिर यह बेवजह की जिद क्यों कर रही हो? चलो यहाँ से अमेरिका चलते हैं। वहाँ भी तुम्हारी खूबसूरती के बेशुमार दीवाने हैं। मेरी बात मानो यह देशभक्ति छोड़ो अपना मेकअप किट संभालो। देश को बचाने का काम सैनिकों का है, हमारा नहीं। हम सेलिब्रिटीज हैं। हमारा काम पेज थ्री में बना रहना है। लाइमलाइट की चकाचौंध से घिरे रहना है। यह देशभक्ति का जुनून आर्मी वालों को फबता है। ऐसी पागलपंती तुम्हें सूट नहीं करेगी। अपने लिए न सही अपने फैंस का तो खयाल करो। इस गोरे और कोमल बदन पर इतनी ज्यादती तो न करो। देश को बचाने के लिए कोई न कोई सिरफिरा, जुनूनी और पागल मिल जाएगा। लेकिन तुम्हें कुछ हो गया तो तुम्हारे फैंस का क्या होगा? उन्हें तुम्हारी जैसी खुबसूरती का कहर बरपाने वाला कहाँ मिलेगा। तुम्हारी अदा और शोखियों के कितने दीवाने हैं यह भला तुम जानती भी हो। भावनाओं में बहकर तुम बचकाना हरकतें मत करो। देश का मतलब महज मिट्टी तो है। इसके लिए भला कोई सेंटी होता है। प्रैक्टिकल बनो प्रैक्टिकल। इस देश से जितना हमें कमाना था कमा लिया। अब यहाँ से निकलो। चलते हैं किसी और देश। देखना वहाँ पर भी तुम्हारे कातिल जलवे के चाहने वाले लाखों मिलेंगे। एक प्रसिद्ध अभिनेत्री के बॉय फ्रेंड ने कहा। यह बात तुम कह रहे हो जिसने देशभक्ति पर इतनी सारी फिल्में की है! इन्हीं फिल्मों के लिए लोगों ने दीवानों की तरह तुम पर अपना सब कुछ लुटाया! थिएटरों के बाहर लंबी-लंबी लाइनें लगाईं! टिकट न मिलने पर मारा-मारी की! तुम्हारे डॉयलॉग बोलने की स्टाइल की नकल करते फैंस के बारे में तुम ऐसे-कैसे सोच सकते हो। वो तुम्ही को देशभक्ति का मसीहा समझते हैं। और तुम हो कि देश छोड़कर भागने की बात कर रहे हो। अभिनेत्री ने देशभक्ति कुमार को लताड़ते हुए कहा।

अरे बेबी तुम समझती क्यों नहीं। वे फिल्में थीं। यह लाइफ है। फिल्में लाइफ नहीं होतीं और लाइफ फिल्म नहीं। वहाँ तो हम

न्यूज फ्लैश

518 ग्राम चरस सहित नशा तस्कर गिरफ्तार

कमाल हुसैन

पानीपत: सीआईए श्री प्रभारी इंस्पेक्टर दीपक ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत के मार्गदर्शन में जिला पुलिस द्वारा नशा तस्करी की वारदातों पर अंकुश लगा आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया हुआ है। अभियान के तहत सोमवार देर शाम सीआईए श्री पुलिस की टीम गश्त व जांच पड़ताल के नवादा मोड़ पर मौजूद थी। तभी टीम को गुप्त सूचना मिली की गांव झांबा की और से एक युवक पैदल नवादा रोड की तरफ आ रहा है। युवक के पास भारी मात्रा में मादक पदार्थ होने की संभावना है। पुलिस टीम ने सूचना को पुख्ता मानते हुए झांबा मोड़ पर नाकाबंदी कर संदिग्धों पर नजर रखनी शुरू कर दी। कुछ देर पश्चात एक युवक झांबा गांव की और से पैदल आते हुए दिखाई दिया। युवक पास आने पर सामने खड़ी पुलिस टीम को देखकर एकदम से वापिस मुड़कर तेज कदमों से चलने लगा। पुलिस टीम ने कुछ कदमों पर ही युवक को काबू कर पूछताछ की तो उसने अपनी पहचान अमित उर्फ मिता पुत्र कृष्ण निवासी गुमड़ सोनीपत के रूप में बताई।

पुलिस टीम ने नियमानुसार डयूटी मजिस्ट्रेट नायब तहसीलदार समालखा राहुल की उपस्थिति में युवक की तलाशी ली तो उसकी पहनी हुई लोअर की जेब से चरस बरामद हुई। बरामद चरस का वजन करने पर 518 ग्राम पाया गया। इंस्पेक्टर दीपक ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह नशा करने का आदी है। अपनी नशे की लत पूरी करने व शार्टकट तरिके से मोटे पैसे कमाने की चाहत में आरोपी ने उक्त चरस 5 दिन पहले हिमाचल के कुल्लू में एक युवक से कम कीमत पर खरीदकर लाने बारे स्वीकारा। पुलिस ने बरामद चरस को कब्जा पुलिस में लेकर आरोपी अमित के खिलाफ थाना सनौली में एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर मंगलवार को आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जहा से उसे 4 दिन के पुलिस रिमांड पर हासिल किया। रिमांड के दौरान पुलिस आरोपी से नशा तस्करों के ठीकानों का पता लगा पकड़ने का प्रयास करेंगी।

बिजली शिकायतों के निपटारे के लिए बैठक आज

राजकुमार प्रिंस

करनाल। बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों का शीघ्र निपटारा करने के लिए माननीय अध्यक्ष, उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम पंचकूला, राजीव गांधी विद्युत सदन, सर्कल कार्यालय, सैक्टर 12 करनाल के कॉन्फ्रेंस हॉल में 13 मार्च को प्रातः 11 बजे बैठक का आयोजन करेंगे। इसमें बिजली संबंधी वे समस्याएं जिनका स्थानीय अधिकारियों से मिलने के बाद भी कोई समाधान नहीं हो पा रहा है, को फोरम के समक्ष रखा जा सकता है। इस संबंध में उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम करनाल के अधीक्षक अभियंता कशिक मान ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक में ऐसे उपभोक्ता जिनका बिजली संबंधी केस कोर्ट में विचाराधीन है तथा जिनकी शिकायत या मामला दो वर्ष से पुराना है, ऐसे उपभोक्ता सुनवाई के पात्र नहीं होंगे तथा बिजली चोरी संबधी शिकायतें भी इस बैठक में नहीं सुनी जाएंगी।

उन्होंने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि फोरम के समक्ष निर्धारित समय पर राजीव गांधी विद्युत सदन, सैक्टर 12 करनाल के कॉफ्रेंस हॉल में पहुंचकर बिजली संबंधी समस्याओं एवं शिकायतों का शीघ्र निपटारा करवाएं।

'वैज्ञानिक अपने-अपने फील्ड में नई-नई रिसर्च करें, जिनका फायदा सीधे तौर पर किसानों तक पहुंचे'

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र और बागवानी महाविद्यालय का किया औचक निरीक्षण

राजकुमार प्रिंस

करनाल। महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति डॉ. सुरेश कुमार मल्होत्रा ने एमएचयू के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र और बागवानी महाविद्यालय अंजनथली का औचक निरीक्षण किया। कुलपति के औचक निरीक्षण को देखकर अधिकारी और वैज्ञानिक सकते में आ गए। कुलपति सबसे पहले परीक्षा हॉल में गए, जहां पर बच्चों की परीक्षा चल रही थी। उसके बाद निमार्णाधीन अकादमिक ब्लाक, होस्टल का निरीक्षण किया और सम्बधित अधिकारियों से पूछा

कि निर्माण कार्य कब पूरा होगा। इस पर अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। इसके बाद कुलपति डॉ. मल्होत्रा ने पोली हाउस, नेट हाउस, रिटेक्टेबल पोली हाउस, बीज एवं पौध सामग्री और लैब का निरीक्षण किया। उन्होंने बागवानी महाविद्यालय और अनुसंधान केंद्र में चल रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने वैज्ञानिकों से रिसर्च के बारे में जाना और उन्हें रिसर्च के कार्यों में ओर तेजी लाने के लिए निर्देशित किया। वैज्ञानिकों से कहा कि अपने-अपने फील्ड में नई-नई रिसर्च करें, जिनका फायदा सीधे तौर पर किसानों तक पहुंचे। उन्होंने वैज्ञानिकों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि जब एमएचयू से नई रिसर्च रिलीज होगी, तब रिलीज करने वाले वैज्ञानिक का नाम देश प्रदेश में नाम होगा। साथ ही एमएचयू का नाम भी विश्वभर में उभरकर सामने आएगा। उन्होंने वैज्ञानिकों को अलग-अलग रिसर्च करने के लिए कहा और उन्हें रिसर्च में हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने फल वाली फसलों के लिए फील्ड जीन बैंक, सुरक्षित खेती के लिए बायो स्टीमुलेन्ट, नए लाभदायक सूक्ष्म जीवों और उनके समूहों को विकसित करने के लिए अनुसंधान शुरू करने के लिए सुझाव दिया।

देश की जरूरतों के हिसाब से रिसर्च पर दें जोर : कुलपति

कुलपति ने वैज्ञानिकों से कहा कि देश की जरूरतों के हिसाब से रिसर्च पर जोर देना चाहिए, क्योंकि देश में खाद्यान की जरुरतों पर न केवल ध्यान देना चाहिए, बल्कि बागवानी क्षेत्र में की जाने वाले अनुसंधान कुपोषण को दूर करने में सहायक होने चाहिए, पोषण से भरपूर होने चाहिए।

जो करेंगे योग, उन्हें नहीं होंगे रोग : दिनेश गुलाटी

राजकुमार प्रिंस

करनाल। मेरा मिशन स्वस्थ भारत के अंतर्गत मिशन प्रमुख दिनेश गुलाटी के नेतृत्व श्री कृष्ण कृपा धाम से आज का विशेष योग सत्र लिया गया। सत्र की शुरुआत सूक्ष्म व्यायाम से की गई। उसके बाद शिक्षिका शिवानी कंबोज ने आसन सत्र करवाया।

प्राणायाम का अभ्यास करवाते हुए दिनेश गुलाटी ने बताया कि हमारा शरीर तीन दोषों से मिलकर बना है। जब इन दोषों का यानि वात, पित्त, कफ का संतुलन बिगड़ता तो शरीर में बीमारियां प्रवेश करती हैं। इन तीन दोषों का सम रहना ही स्वस्थ होने की पहचान है। वात रोग से जोड़ों का दर्द, हड्डियों में दर्द, मासपेशियों में दर्द, गठिया जैसे रोग होते हैं। पित्त बढ़े से गैस, एसीडिटी, अल्सर और बवासीर जैसे रोग होते हैं।

उन्होंने कहा कि कफ बढ़े से अस्थमा, साइनस और मोटापा जैसे रोग होते हैं। त्रिदोष को संतुलन में करने में योग प्राणायाम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नित्य प्रति प्राणायाम करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। जो करेंगे योग, उन्हें नहीं होंगे रोग।

छात्रों और स्टाफ को किया रोड सेफ्टी नियमों के बारे में जागरूक

राजकुमार प्रिंस

करनाल। डीएसपी ट्रैफिक ओमप्रकाश के निर्देशन में रोड सेफ्टी सेल और थाना यातायात की टीम द्वारा आज घरौंडा के बीआरएम कॉलेज में जाकर छात्रों, कॉलेज बस चालकों और स्टाफ को रोड सेफ्टी नियमों बारे विस्तार से जागरूक किया गया। टीम द्वारा छात्रों को समझाया गया कि कभी भी ड्राइविंग करते समय मोबाइल का इस्तेमाल न करें और हमेशा अपने वाहन को निर्धारित गति सीमा के अंदर ही चलाएं।

टीम ने कॉलेज बस चालकों को भी पूर्ण रूप से यातायात नियमों की पालना करने बारे समझाया। टीम ने छात्रों और कॉलेज बस ड्राइवरों को रोंग टर्न, ओवरस्पीड, रैश ड्राइविंग और लेन चेंज आदि यातायात नियमों बारे भी जागरूक किया। छात्रों को बताया गया कि अगर आप यातायात नियमों का पूर्ण रूप से पालन करते है तो आप भी दुर्घटना का शिकार होने से बचेंगे और दूसरे भी सड़क दुर्घटना का शिकार होने से बचेंगे। जिला पुलिस द्वारा इस

प्रकार के जागरूकता अभियान निरंतर जारी रहेंगे और यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करवाई जाएगी।

इस अवसर पर कॉलेज प्रबंधक डॉक्टर सीमा, थाना यातायात प्रबंधक निरीक्षक सुरेश नरवाल, इंचार्ज रोड सेफ्टी सेल एसआई जय नारायण, इंचार्ज आईआरएडी स्वाति, कॉर्डिनेटर अलका और कॉलेज छात्र और स्टाफ मौजूद रहा। प्रोग्राम के अंत में प्रबंधक कॉलेज डॉक्टर सीमा ने टीम यातायात और रोड सेफ्टी को सम्मानित कर धन्यवाद किया।

विवाहिता प्रेमी संग हुई फरार नकदी और गहने भी ले गई साथ

राजकुमार प्रिंस

करनाल। हलका इंद्री क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक गांव से एक युवक विवाहिता को लेकर फरार हो गया। विवाहिता अपने साथ घर में रखी नकदी व सोने चांदी के गहनें भी लेकर गई है। विवाहिता के ससुर ने मामले की शिकायत इंद्री थाना पुलिस को की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता ससुर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि उसके पड़ोस में रहने वाला एक युवक पुत्रवधू को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पुत्रवधू को आसपास के एरिया में तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। सभी जगह तलाश करने के बाद उन्होंने घर की अलमारी चेक की तो 16 हजार नकदी और लाखों के जेवरात गायब मिले।

सैनी के सीएम बनने पर समर्थकों ने जताई खुशी

दलबीर मलिक

कुरुक्षेत्र :भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष व कुरुक्षेत्र के सांसद नायब सिंह सैनी को हरियाणा प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया है। नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाए जाने पर सेक्टर 3 स्थित उनके आवास पर समर्थकों ने लड्डू बांटकर व ढोल थाप पर नाचकर खुशी का इजहार किया। जैसे ही मंगलवार को समर्थकों को पता चला कि नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया गया है तो वैसे ही समर्थक उनके आवास पर पहुंचना शुरू हो गए थे। समर्थकों ने नायब सैनी जिंदाबाद व भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद के नारे लगाए। सांसद कार्यालय सचिव कैलाश ने बताया कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने एक साफ व्यक्तित्व के धनी नायब सैनी को मुख्यमंत्री बनाकर दिखा

दिया कि पार्टी में जो भी ईमानदारी के साथ कार्य करता है उसे पार्टी आगे ले जाती है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र से पहला मुख्यमंत्री बनना कुरुक्षेत्र वासियों के लिए खुशी की बात है। नायब सिंह सैनी ओबीसी वर्ग से संबंध रखते हैं। सांसद सैनी के मुख्यमंत्री बनने से पार्टी को ओबीसी समुदाय के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद मिल सकती है। नायब सैनी वर्तमान में कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र से सांसद है। वर्ष 2019 के चुनाव में नायब सैनी ने कुरुक्षेत्र लोकसभा से तीन के लाख 84 हजार 591 वोटों के अंतर होने से से जीत दर्ज की थी। कुरुक्षेत्र के सांसद नायब सैनी के मुख्यमंत्री बनने पर कुरुक्षेत्र शहर अब सी एम सिटी के नाम से जाना जाएगा। सांसद नायब सैनी का मुख्यमंत्री बनना कुरुक्षेत्र वासियों के लिए बड़े गौरव की बात है जिसको लेकर कुरुक्षेत्र में खुशी का वातावरण देखने को मिल रहा है।

सीजेएम जसबीर एवं डीएसपी विजय कुमार ने किया नारी निकेतन का दौरा

नारी निकेतन में रहने वाले महिला/कैदियों को दी जा रही सुविधाओं की जांच के लिए नारी निकेतन का दौरा किया।

राजकुमार प्रिंस

करनाल। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव जसबीर ने 12 मार्च को नारी निकेतन में रहने वाले महिला/कैदियों को दी जा रही सुविधाओं की जांच के लिए नारी निकेतन का दौरा किया। उनके साथ डीएसपी विजय कुमार भी मौजूद रहे।

सुश्री जसबीर ने महिलाओं के साथ भी बातचीत की और उन्हें कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत उनके अधिकारों के बारे में भी जागरूक किया। अधीक्षक को

कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी स्थापित/प्रदर्शित करने का भी निर्देश दिया गया, ताकि महिलाओं को कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत बनाए गए नियम और कानून निर्धारित उनके कानूनी अधिकारों से अवगत कराया जा सके।

साथ ही साथ दोनों ने वहां नारी निकेतन में महिलाओं को दिए जाने वाले भोजन को भी जांचा। उन्होंने वहां रहने वाली सभी महिलाओं से बातचीत की और उनसे उनको हो रही किसी भी तरह की असुविधा के बारे में पूछा, जिस पर महिलाओं ने कहा कि हमें यहां पर किसी भी तरह की कोई असुविधा नहीं हो रही है।

उन्होंने आफिसर को विशेष रूप से उन महिलाओं को विभिन्न कानूनी सहायता योजनाओं और ऐसी सेवाओं का लाभ उठाने की प्रकिया आदि के बारे में अवगत कराया गया। महिला न्याय अधिनियम और उसके तहत बनाए गए नियमों के अस्तित्व और महिलाओं के कल्याण के तहत गठित समितियों के अस्तित्व के बारे में भी अवगत कराया गया। उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली से भी अवगत कराया गया। ऑफिसर को निर्देशित किया गया कि नारी निकेतन और निरीक्षण गृह के आसपास साफ-सफाई रखें।

कार्यप्रणाली

8 जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली से भी अवगत कराया गया। ऑफिसर को निर्देशित किया गया

सिरसाः शादी में दूल्हा-दुल्हन ने ही की हर्ष फायरिंग, 12 दिन बाद वीडियो आया सामने

सिरसाः शादी के 12 दिन बाद ही पति-पत्नी कानूनी पचड़े में फंस गए हैं। दोनों ने अपनी शादी में बंदूक से हर्ष फायरिंग की थी। इसका वीडियो पुलिस के पास पहुंचा तो अब नव दंपती (पति-पत्नी) के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। खास बात है कि दूल्हे के खिलाफ पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। थाना बड़ागुढ़ा पुलिस का कहना है कि दोनों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। जानकारी के अनुसार सिरसा के गांव बुढ़ाभाणा में 29 फरवरी 2024 को अंग्रेज सिंह उर्फ गेजू की शादी थी। इस दौरान खुशी में झूमते हुए दूल्हे अंग्रेज सिंह ने अपनी पत्नी राजविंद्र कौर के साथ बंदूक से हवा में हर्ष फायरिंग की। हर्ष फायरिंग का ये वीडियो बड़ागुढ़ा पुलिस थाने में तैनात सिक्योरिटी एजेंट एएसआई सुखविंदर सिंह ने व्हाट्सएप ग्रुप में देखा। इसके बाद उन्होंने वीडियो के बारे में जानकारी जुटानी शुरू कर दी।

एएसआई सुखविंदर सिंह को पता लगा कि हर्ष फायरिंग करने वाला गांव बुढ़ाभाणा का अंग्रेज सिंह उर्फ गेजू व उसकी पत्नी राजविंद्र कौर हैं। दोनों ने 29 फरवरी को अपनी शादी में हवा में बंदूक से फायरिंग की थी। इसके बाद सिक्योरिटी एजेंट सुखविंद्र सिंह ने बड़ागुढ़ा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में सिक्योरिटी एजेंट सुखविंदर सिंह का कहना है कि शादी में दूल्हा-दुल्हन ने हवा में जिस प्रकार हर्ष फायरिंग की, उससे आमजन की सुरक्षा को खतरा हो सकता था। जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर मदन का कहना है कि आरोपी पति-पत्नी के खिलाफ आईपीसी की धारा 285 व शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

असंगठित कार्यक्षेत्र में कार्यरत महिलाओं को सशक्त करने की जरूरतः एक्सपर्ट्स

टीम एक्शन इंडिया

चंडीगढ़: असंगठित सेक्टर के मुद्दों पर काम करने वाले कई स्टेकहोल्डर्स के लिये एक एकजुट (कोलेबोरेटिव) माहौल को बढ़ावा देने के लिये सेल्फ इम्पलाईड वूमेन्स ऐसोसियेशन (एसईडब्ल्यूए - सेवा), पंजाब की मल्टी स्टेकहोल्डर्स मीटिंग का आयोजन मंगलवार को सेक्टर 26 स्थित महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक एडमिनिस्टेशन (एमजीएसआईपीए) में किया गया। इस बैठक में सेवा पंजाब की इकाइयों - कीरत सेवा फाउंडेशन, सेवा संगिनी पंजाब म्युचुअल बेनिफिट ट्रस्ट सहित सरकारी प्रतिनिधियों, सिविल सोसायटी सदस्य, डोमेस्टिक वर्कर्स व स्ट्रीट वेंडर्स की लीडरशिप, स्टूडेंट्स व अन्य प्रोफेशनल वर्ग ने भाग लिया और संबंधित विषय पर चिंतन मंथन किया। गत 52 वर्षों से देश व्यापी संगठन सेवा असंगठित सेक्टर में कार्यरत महिलाओं को सशक्त करने की दिशा में प्रयासरत है जिसमें मुख्य रूप से डोमेस्टिक मेड्स (घरेलू महिला कामगार) शामिल हैं। देश की 90 फीसदी महिला कार्यबल अनौपचारिक कार्यक्षेत्र (इनफॉर्मल सेक्टर) में कार्यरत है लेकिन इस बहुमत के बावजूद वे सामाजिक सुरक्षा की कमी, घातक कामकाजी परिस्थितियों, कम वेतन व मानदेय आदि जैसी समस्याओं के प्रति बेहद संवेदनशील रहती हैं। जिन मुद्दों का वे सामना कर रही हैं उनके खिलाफ आवाज उठाना तभी संभव है जब उनके साथ काम करने वाले सभी स्टेकहोल्डर्स एक साथ आयें।

निहार शांति पाठशाला फनवाला लैंग्वेज लर्निंग प्रोग्राम ने ग्रामीण भारत में 10 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स की जिंदगी बदली

टीम एक्शन इंडिया

करनाल: एक देश के रूप में, हमने शिक्षा को सभी के लिए सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिसमें ग्रामीण भारत भी शामिल है। शिक्षा किसी भी समाज में प्रगति का प्रमुख अभिप्रेरक है और इस उद्देश्य को साझा करने वाले एक ब्रांड के रूप में, निहार नैचुरल्स शांति बादाम आंवला ने शिक्षा कौशल को योगदान करने के एक तरीके के रूप में पहचाना है। ब्रांड ने एक गैर-लाभकारी संगठन लीपफॉरवर्ड के साथ साझेदारी की है और एक अंग्रेजी भाषा दक्षता प्रोग्राम निहार शांति पाठशाला फनवाला को लॉन्च किया है। इस प्रोग्राम में शिक्षकों को उनकी मातृभाषा में शिक्षित करने के लिये फोनेटिक्स का इस्तेमाल किया जाता है, ताकि उन्हें आसानी से अंग्रेजी पढ़ाने में सक्षम बनाया जा सके। यह प्रोग्राम व्हाट्सएप्प और यूट्यूब पर उपलब्ध है, ताकि भारत के विभिन्न प्रांतों में इसकी पहुंच को बढ़ाया जा सके और अंग्रेजी भाषा को सभी के लिये सुलभ बनाया जा सके। शिक्षा के माध्यम से प्रगति को बढ़ावा देने के ब्रांड के उद्देश्य के बारे में बताते हुये, सोमाश्री बोस अवस्थी, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, मैरिको लिमिटेड ने कहा, इहनिहार नैचुरल्स शांति बादाम आंवला हेयर ऑयल ने ब्रांड के उद्देश्य को पहचानने वाले ग्राहकों के साथ जो जुड़ाव बनाया है, उस पर हमें बहुत गर्व है। वर्ष 2019 में, निहार शांति पाठशाला फनवाला की शुरुआत ग्रामीण क्षेत्रों में स्टूडेंट्स के बीच पढ़ने एवं समझने की काबिलियत को विकसित करने के प्रारंभिक उद्देश्य के साथ की गई थी। हमने अपनी अनूठे इंग्लिश लिट्रेसी प्रोग्राम की पेशकश के साथ इस उद्देश्य को पूरा किया। यह शिक्षकों को एक ऐसी भाषा में साक्षरता को बढ़ावा देने में सक्षम बनाता है, जो उच्च शिक्षा के बेहतर अवसरों के द्वार खोलती है।

स्कूली छात्राओं को महिला अपराधों के बारे में किया जागरूक

आज के समय महिलाओं के विरुद्ध बहुत ज्यादा अपराध बढ़ रहा है। महिलाओं का शोषण उनके घर में भी हो रहा है

राजकुमार प्रिंस

करनाल। डीएसपी महिला सुरक्षा विजय कुमार के निर्देशन और महिला निरीक्षक राजेश लता के नेतृत्व में टीम द्वारा राजकीय स्कूल संगोहा, टपराना और बड़ा गांव में जाकर छात्राओं को महिला सुरक्षा बारे जागरूक किया गया। महिला निरीक्षक राजेश लता ने बताया कि आज के समय महिलाओं के विरुद्ध बहुत ज्यादा अपराध बढ़ रहा है। महिलाओं का शोषण उनके घर में भी हो रहा है। उन्होंने बताया कि समय बदलने के साथ अब महिलाओं को भी जागरूक होना जरूरी है। छात्राओं को यह ध्यान रखने को कहा कि स्कूल

आते-जाते समय कोई उनका पीछा तो नहीं कर रहा है। छात्राओं को गुड टच और बेड टच के बारे भी सावधान किया गया।

महिला निरीक्षक ने स्कूल की कुछ छात्राओं को विश्वास में लेकर उनसे उनकी वे समस्याएं जानी, जिनको छात्राओं ने अपने घर वालो को भी नहीं बताया हुआ था और उन समस्याओं को जानकर तुरंत उनका समाधान किया। स्कूल की कुछ छात्राओं ने महिला निरीक्षक को बताया कि स्कूल छुट्टी के समय पर कुछ शरारती तत्व उन्हें प्रेषण करते हैं, जिसके बारे महिला निरीक्षक ने संबंधित थाना प्रबंधक से बात करके स्कूल छुट्टी के समय पर पुलिस पेट्रोलिंग सुनिश्चित करवाई।

टीम द्वारा स्कूल छात्राओं को यह भी बताया कि महिला सुरक्षा के लिए जिला में दुर्गा शक्ति के नाम से टीम का गठन किया हुआ है, जो कि दुर्गा शक्ति टीम हमेशा सहायता के लिए तत्पर रहती है। टीम ने विपरीत परिस्थितियों आने पर स्कूल छात्राओं को दुर्गा शक्ति टीम से सहायता लेने बारे भी बताया।

जागरूक

8 अपने घर वालो को भी नहीं बताया हुआ था और उन समस्याओं को जानकर तुरंत उनका समाधान किया

एससी वित विकास निगम से ऋण सहायता लेकर अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं अनुसूचित जाति के लोग

टीम एक्शन इंडिया

सोनीपतः उपायुक्त डॉ० मनोज कुमार ने बताया कि हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम का उद्देश्य अनुसूचित जाति के सदस्यों को विभिन्न योजनाओं के लिए ऋण सहायता उपलब्ध करवाकर उनका जीवन स्तर ऊँचा उठाना है। ऋण सहायता से योजनाओं के तहत अनेक प्रकार के व्यवसाय कर सकते हैं।

उपायुक्त ने बताया कि हरियाणा अनुसूचित जाति एवं वित्त एवं विकास निगम द्वारा अनुसूचित जाति के सदस्यों के लिए वार्षिक आय ग्रामीण क्षेत्रों में 49 हजार रुपए तथा शहरी क्षेत्रों में 60 हजार रुपए तक हो तथा उनका नाम बीपीएल सर्वेक्षण सूचि में अंकित होना चाहिए। उन्होंने बताया कि बैंकों के सहयोग से स्वरोजगार के लिए पशु पालन, हथकरघा, किरयाणा की दुकान, कपड़े की दुकान, ऑटो रिक्शा/साईकिल मरम्मत की दुकान, बैंड पार्टी, आटा चक्की, दरी बनाना, चमड़ा और चमड़े के कार्य, फोटोग्राफी तथा ओटो रिक्शा इत्यादि के कार्य शुरू करने के लिए 1.50 लाख रूपए तक के ऋण सब्सिडी के साथ दिलवाया जाता है। इसी प्रकार से राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम के वित्तिय सहयोग से राज्य के सफाई कर्मियों तथा उनके आश्रित जो किसी प्रकार के सैनीटेशन यानि सफाई कार्य में लगे हुए हैं उनको ऋण मुहैया करवाया जाता है।

इसी प्रकार से बैंडबाजा, फोटोग्राफी, ब्यूटीपार्लर, बुटिक, दवाईयों की दुकान, स्टेशनरी/किताबों की दुकान, फर्नीचर अथवा ईमारती लकड़ी का कार्य, मुर्गी पालन, आटा चक्की, कम्प्यूटर का कार्य, फोटोस्टेट-कम-एसटीडी और ओटो रिपेयर के लिए दो लाख रूपए तक का ऋण मुहैया करवाया जाता है।

उपाय जिनसे बालों में लाये जान

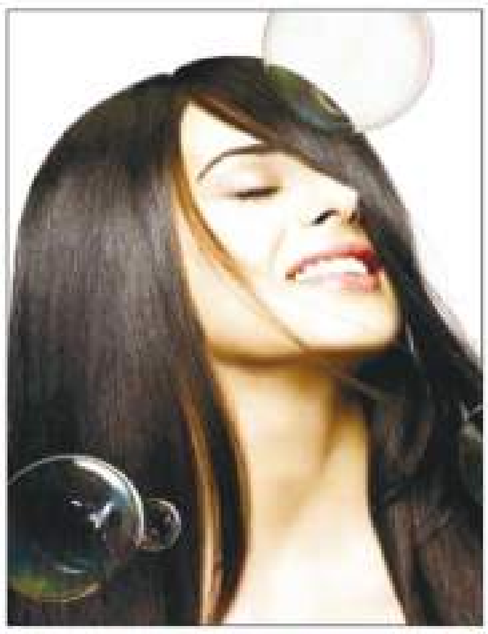

हेयर थैरेपी - आज आधुनिकता के नाम पर अनेक विकृतियां उत्पन्न हो गई हैं। जिसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। बाल भी इससे अछूते नहीं है। विभिन्न शोधों से यह साबित हो चुका है कि बालों का असमय सफेद होना, झड़ना आदि समस्याओं की उत्पत्ति हमारे दोषपूर्ण आहार-विहार के फलस्वरूप स्वास्थ्य पर पड़ने वाले कुप्रभाव के कारण होती है। बालों की इन समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए निम्न प्राकृतिक थैरेपी आजमाकर देखिए।

रिफ्लेक्सोलॉजी - मानसिक तनाव, प्रदूषण, असंतुलित हार्मोन्स, विटामिन 'बी' और 'सी' की कमी, प्रोटीन की न्यूनता, पित्त प्रकृति, अनिद्रा आदि कारणों से बाल असमय सफेद होने लगते हैं। लगातार बालों के झड़ने से अंत में सिर गंजा हो जाता है। आहार में दूध, फल, शाक, सब्जियां आदि उचित आहार लेने से बालों की इन समस्याओं से बचा जा सकता है। आवश्यक हो, तो योग्य चिकित्सक की सलाह से औषधियों द्वारा उपचार करें। दोनों हाथ के नाखूनों को आपस में पांच मिनट तक रगड़ें। प्रतिदिन रात को सोने से पहले नाक के दोनों छिद्रों में दो-दो बूंद गाय का घी डालने से बालों की जड़ें मजबूत होंगी तथा बालों का झड़ना बंद हो जाएगा।

ध्यान - ध्यान मानसिक तनाव दूर करने में मदद करता है। ध्यान साधना करने वाले कभी भी विचलित नहीं होते। इसके लिए प्रातः का समय सबसे उपयुक्त रहता है। सुखासन में शांत चित्त से बैठकर दोनों हथेली खुली आकाश की ओर करके घुटनों पर रखें। आंखें बंदकर मांसपेशियों को ढीला छोड़ दें फिर आई ब्रो को पूरी ताकत से ऊपर उठायें 20 सेकण्ड बाद पूरी ताकत से नीचे लाये। प्रतिदिन 40 बार करें धीरे-धीरे अपनी क्षमतानुसार समय बढ़ाते जायें।

मालिश - बालों के लिए जितने जरूरी पोषक तत्व है उतना ही आवश्यक है तेल द्वारा मालिश। सप्ताह में कम से कम दो बार नारियल तेल, जवाकुसुम तेल या किसी आयुर्वेदिक तेल से बालों की जड़ों में अच्छे से मालिश करें। इससे रक्त संचार सुचारू होगा। बालों को काला, घना मजबूत और चमकीला बनाए रखने के लिए यह उपयोगी उपचार है। हमेशा स्वयं की कंघी इस्तेमाल करें। सीधी दिशा में कंघी करके विपरीत दिशा में भी कंघी करें। जाड़े में सरसों के तेल से और ग्रीष्म में तिल के तेल से मालिश करें।

योग - शीर्षासन और सर्वांगासन जैसे आसन नियमित करने से सिर के बालों को चमत्कारिक लाभ होता है। इन आसनों से रक्त संचरण की क्रिया में त्वरित गति आती है और बालों तथा सिर के स्नायुओं को पोषण मिलता है। अगर युवावस्था में उपर्युक्त दोनों आसन नियमित रूप से किए जाएं तो बालों को भरपूर पोषण और स्वास्थ्य प्राप्त होता है।

बालों को मजबूत बनाने के उपाय - बालों को धीमें हाथों से मसलकर व्यायाम दें, इससे आप ऊबेंगे नहीं, बालों को थोड़ा विभाजित करते जाएं। विभाजित बालों को पकड़कर धीरे-धीरे खींचे। धीमें हाथों से सिर के बालों को ठोकिए, थपथपाइए। ऐसा करने से बाल की जड़ों के रोम छिद्र खुल जाते है। रक्त संचरण की गति तेज हो जाने से बालों की जड़ों के, समीपवर्ती सूक्ष्म अवयवों में पर्याप्त रक्त प्रवाह होता है और उनकी रोग प्रतिकारक शक्ति बढ़ जाती है।

गेहूं की खीर

सामग्री : 1 कप गेहूं, 1/2 कप गुड़, 1/2 लीटर दूध, 1 चम्मच घी, इलायची पाउडर और ड्राईफ्रूट।

विधि : सब से पहले गेहूं 4 घंटे पानी में भीगने दें। उस के बाद गेहूं पानी से निकाल कर कपड़े पर सुखाएं। (थोड़ा सा गीला ही रहने दें।) गेहूं मिक्सी में दरदरे पीस लें। इस से गेहूं के छिलके निकल जाएंगे। इस के बाद कड़ाही में घी डाल कर गेहूं भून लें। फिर इस में 2 कप गरम पानी डाल तक पका लें। गेहूं के पकने पर इस में गुड़ और दूध डाल कर चलाते रहें। खीर गाढ़ी होने पर आंच से उतारें और उस में ड्राईफ्रूट मिलाएं।

अधिक उम्र पर भी बचें झुर्रियों से

प्रदूषण, धूल-मिट्टी, तनाव, धूप और दौड़भाग न जाने कितनी चीजों का सामना हमारी त्वचा को प्रतिदिन करना पड़ता है। ऐसे में समय रहते उचित देखभाल न करने से उम्र के पहले ही चेहरे पर झुर्रियों पड़ जाती हैं। चिरयुवा बने रहने तथा सौंदर्य कायम रखने में सबसे बड़ी बाधा हैं झुर्रियों की समस्या। बढ़ती उम्र के निशान सबसे पहले चहरे पर ही नजर आते हैं। यदि त्वचा की उचित तरीके से देखभाल की जाए तो वर्षो तक चेहरा स्निग्ध व कमनीय बना रहेगा।

नैसर्गिक रूप से महिलायें अपने सौंदर्य के प्रति सचेत रहती हैं, कभी-कभी असमय ही झाईयां-झुर्रियां होने की समस्या उत्पन्न हो जाती है। आमतौर पर झुर्रियां बढ़ती उम्र की निशानी मानी जाती है लेकिन जिस तरह से हमारे खानपान व जीवनशैली में बदलाव आया है, उम्र में ही चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगी है। झुर्रियां अक्सर शरीर के भागों में होती हैं जो अक्सर खुला, नाजुक और कोमल रहता है।

कैसे पड़ती है झुर्रियां -

झुर्रियों का प्रमुख कारण त्वचा की खुश्की है। त्वचा की प्राकृतिक चिकनाई होने लगती है। जिसके कारण त्वचा और आंखों के आसपास लकीरें होने लगती है। क्रोध, चिंता, शोध, झुंझलाहट, तनाव आदि का असर त्वचा पर पड़ता है। तनावयुक्त रहने पर हमारे माथे पर सलवटें पड़ती है जिससे वहां की त्वचा में ढीलापन आकर त्वचा लटक जाती है और झुर्रियां पड़ने लगती है।

अधिक धूप आंतरिक त्वचा के लिये नुकसानदायक है। तीव्र धूप त्वचा की स्कीन को सोखकर उसे सिकोड़ देती है जो आंखों के नीचे झुर्रियों का कारण होते हैं। ठंड के प्रकोप से भी त्वचा कठोर हो जाती है और झुर्रियां नजर आने लगती है।

साबुन में मौजूद कॉस्टिक सोडा त्वचा के रहे- सहे तेल को भी सोख लेता है। जिससे कम उम्र में ही हमारे चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगती हैं। कॉस्मेटिक का अधिक उपयोग भी त्वचा के लिए हानिकारक है।

कॉस्मेटिक्स त्वचा के भीतर जाकर उसके रोमछिद्रों को अवरूद्ध कर देते है। जिससे त्वचा की सही तरीके से सफाई नहीं हो पाती और धीरे-धीरे हमारे चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगती है।

कहां होती है झुर्रियां -

झुर्रियां अक्सर हमारे चेहरे और गर्दन पर होती है। चूँकि ये शरीर के वे भाग हैं, जो सबसे ज्यादा धूप व बाहरी वायु के सम्पर्क में होते है। आंखों के नीचे से शुरू होकर झुर्रियां गर्दन के आसपास भी होने लगती है।

झुर्रियों से बचाव तथा उपचार-

झुर्रियों से मुक्ति पाने का एकमात्र व सर्वश्रेष्ठ उपाय है, इससे बचाव। झुर्रियों से त्वचा को बचाने के लिए हमें अपने खानपान व जीवनशैली पर विशेष ध्यान देना होगा।

- प्रोटीन तथा तैलीय तत्वों से युक्त भोजन लें, किन्तु वह गरिष्ठ न हो इसका भी ध्यान रखें। बादाम, गाजर व आंवले का सेवन अत्यंत लाभप्रद है।
- नियमित व्यायाम करें। योग अभ्यास से भी त्वचा कसावदार व कांतिपूर्ण होती है।
- त्वचा को रूखा न रहने दें मलाई या माइश्चराइजर का प्रयोग करें। चेहरे के लिए हमेशा ग्लिसरीनयुक्त साबुन का प्रयोग करें।
- नियमित रूप से चेहरे की मालिश झुर्रियां रोकने में सहायक है।
- तनाव चिंता से दूर रहें दैनिक व्यवहार में सौम्य व प्रसन्न रहें।
- पानी भरपूर पिएं।

झुर्रियां समाप्त करने के नुस्खे:

- कच्चे दूध से चेहरा साफ करने तथा फेस पैक में शहद और संतरे का रस मिलाकर लगाने से त्वचा में निखार आता है।
- नीम, पुदीना, तुलसी की पत्ती का पाउडर और मेथी पाउडर एंटीसेप्टिक का काम करता है। लाल चंदन शीतलता और चिकनाहट प्रदान करता है।
- टमाटर और नीबू का रस मिलाकर शरीर पर लगाएं। नहाते समय इस लेप को रगड़कर छुड़ा दें। कुछ सप्ताह तक ऐसा करने से त्वचा कोमल हो जाती है।
- शहद में मलाई और नीबू का रस मिलाकर अच्छी तरह मिक्स कर चेहरे व आंखों के नीचे लगाएं। इससे आंखों के नीचे का कालापन दूर होकर झुर्रियां समाप्त होती है।
- मूली कसकर रस निकालें व समान मात्रा में मक्खन मिलाकर चेहरे व गर्दन पर लगाएं, एक घण्टे बाद कुनकुने पानी से धो लें।
- गरम पानी में संतरे के छिलके डाल दें, रात भर पड़ा रहने दें। सुबह इसी पानी से चेहरा धोएं। ऐसा करने से त्वचा में कसाव आता है।
- पपीते का गुदा मसलकर चेहरे पर लगाएं। कुछ देर बाद चेहरा साफ कर लें। कुछ दिन लगातार ऐसा करने से झुर्रियों से मुक्ति मिलती है।
- आधा चम्मच मलाई में नींबू की चार- पांच बूंदे मिलाकर सोने से पहले चेहरे पर अच्छी तरह मलें। दोनों हाथों से मलाई तब तक मलते रहें जब तक कि मलाई घुलकर त्वचा में एकसार न हो जाए।
- खीरे को कद्दूकस कर चेहरे पर लगाने से त्वचा कांतिमय होती है।
- त्वचा की झुर्रियां मिटाने के लिए गाजर, टमाटर और चुकंदर का रस नियमित पिएं।
- ई और ओ बोलते हुये एक बार चेहरे को फैलाएं और फिर सिकोड़ें। इससे गालों का अच्छा व्यायाम होता है। जिसमें गालों की पुष्टि होती है और झुर्रियों से बचाव।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्व निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को ह): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ होगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में आपाधापी ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानियां स्वतः ही दूर होती प्रतीत होंगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पतन-पतन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में आपाधापी ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2017

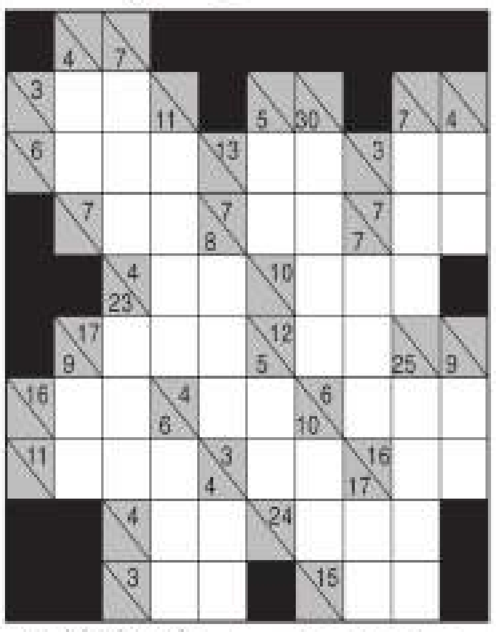

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

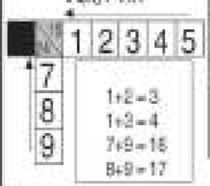

काकुरो - 2016 का हल

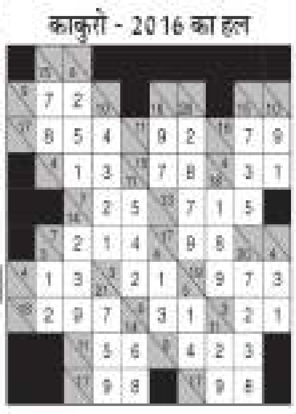

लॉफिंग ज़ोन

एक शराबखोर पति अपने क्लब की मीटिंग में गया हुआ था। आधी रात बितने के बाद घर पहुँचा तो पत्नी ने उसका आदर के साथ स्वागत किया। इससे पति खुश हो गया और बोला- पता है! आज क्लब में शराब की प्रतियोगिता हुई थी।

पत्नी- अच्छा तो पहले नंबर पर कौन रहा?

पति बोला- मेरे अलावा कौन जीत सकता था भला।

□ □ □

एक शादीशुदा शायर की मुलाकात अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से हुई। शायर ने कहा- मुलाहिजा फरमाएँ : ये चाँद तारे अब अच्छे नहीं लगते, रोज-रोज के बहाने अब अच्छे नहीं लगते। खुदा करे इस साल हो जाए आपकी शादी, क्योंकि अब आप कुँवारे अच्छे नहीं लगते।

गर्लफ्रेंड ने कहा- वाह वा..! वाह वा...! क्या आप करेंगे मुझसे शादी।

□ □ □

गीता अपनी सहेली सीता से बोली- पता है मेरे पति के अलावा आज तक किसी गैरपुरुष ने मुझे एक किस तक नहीं किया।

सीता- अरे वा! तो तुम खुद पर गर्व कर रही हो या अफसोस?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2017

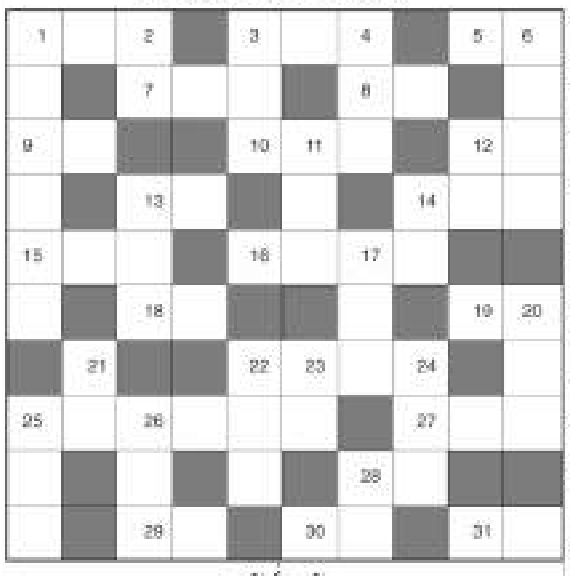

बायें से दायें:-

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा सजना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या है?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, सिम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुमसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-३
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, वैजयन्ती, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'याद आ याद' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'सारे हैं बालमें' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे ख्यालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, मालव की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोटे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरुद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, रवीना, विदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'पढ़े सी तैसी लड़की' गीत वाली जिते और विभाग की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'प्यार बदल ना जाए' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, जहीरा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2016

सूडोकु -2017

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्गों में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2016 का हल

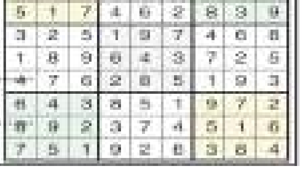

शब्द पहेली - 2017

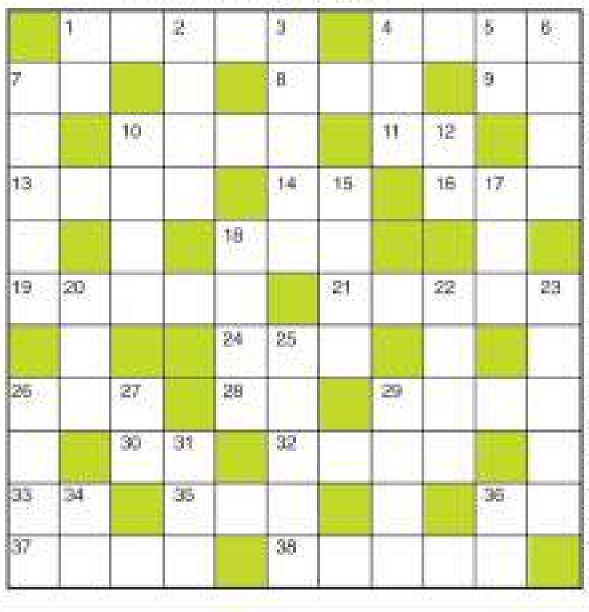

बाएं से दाएं

1. फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4. आश्चर्य, विलक्षणता-4
7. जीत, फतेह-2
8. आकाश रेखा, छोर-3
9. लल, पैदा-2
10. थाती, धरोहर-4
11. मोटा आटा-2
13. सलाह, मशवरा-4
14. अन्य, दो, तीन-2
16. घर, गृह-3
18. धावक (अंग्रेजी-3)
19. नाम रखना-2,3
21. पराभवता-5
24. सुनसान, नीरव-3
26. वन, जंगल-3
28. मिट्टी, रेत-2
29. चेतनाहीन-4
30. पराग कण-2
32. भयभीत होना-4
33. छोटी सवारी गाड़ी-2
35. फूलों का हार जो बालों में लगाते है, वेणी-3
36. छूर, किवाड़-2
37. जनता की राय-4
38. नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. मत, सलाह-2
2. कबाब-4
3. वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4. अनश्वर, चिरायु-3
5. लीन, मग्न-2
6. जलाऊ लकड़ी-4
7. वनवास 3,2
10. मूर्ख (उर्दू-4)
12. बांगा-2
15. आनंदित होना-4
17. शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18. पौधा-4
20. अमिताभ के विहिरे गेल वाली फिल्म-3
22. मुआवजा-4
23. चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25. राज वंश-2,3
26. काम, कार्य-4
27. माया का विलोम-2
29. उपद्रव फैलाने वाला-4
31. दुर्भिक्ष, अकाल-3
34. क्रिकेट में बनते हैं-2
36. पंख, पाया-2

शब्द पहेली -2016 का हल

BCCI ने ऋषभ पंत को IPL 2024 खेलने के लिए दी हरी झंडी, मोहम्मद शमी और ये पेसर हुआ टूर्नामेंट से बाहर

BCCI ने ऋषभ पंत को IPL 2024 खेलने के लिए हरी झंडी दी है और बताया है कि वे फिट हो गए है। वे आईपीएल में विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर खेल सकते हैं। मोहम्मद शमी और प्रसिद्ध कृष्णा को लेकर अपडेट दिया है।

नई दिल्ली.भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी BCCI ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को IPL 2024 खेलने के लिए हरी झंडी दी है। बोर्ड ने मेडिकल अपडेट जारी करते हुए बताया है कि वे फिट हो गए हैं। वे आईपीएल के आने वाले सीजन में बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज खेल सकते हैं। बीसीसीआई ने तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और प्रसिद्ध कृष्णा को भी लेकर मेडिकल अपडेट जारी किया है। ये दोनों तेज गेंदबाज भी चोट से उबर रहे हैं। IPL 2024 से पहले ऋषभ पंत को लेकर जारी अपडेट में बीसीसीआई ने बताया है कि 30 दिसंबर 2022 को रुड़की, उत्तराखंड के पास एक जानलेवा सड़क दुर्घटना के बाद 14 महीने के लंबे रिहैब और रिकवरी प्रक्रिया से गुजरने के बाद ऋषभ पंत को अब आगामी आईपीएल के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में फिट घोषित किया गया है।प्रसिद्ध कृष्णा को लेकर जारी अपडेट में बीसीसीआई ने बताया है कि तेज गेंदबाज की 23 फरवरी 2024 को उनके बाएं समीपस्थ क्वाड्रिसेप्स टेंडन की सर्जरी हुई। वर्तमान में बीसीसीआई मेडिकल टीम द्वारा उनकी निगरानी की जा रही है और वह जल्द ही राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैब की प्रक्रिया शुरू करेंगे। वह आईपीएल 2024 में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

मोहम्मद शमी को लेकर बोर्ड ने मेडिकल अपडेट जारी करते हुए बताया, गेंदबाज की दाहिनी एड़ी की समस्या के लिए 26 फरवरी 2024 को सफलतापूर्वक सर्जरी की गई। फिलहाल बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है और उन्हें आगामी आईपीएल 2024 से बाहर कर दिया गया है।

ऋषभ पंत को लेकर बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने सोमवार को बताया था कि वे टी20 वर्ल्ड कप 2024 के दावेदार हैं। हालांकि, इसके लिए उनको आईपीएल में प्रदर्शन करना होगा। वहीं, शमी को लेकर उन्होंने जानकारी दी थी कि वे बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर खेली जाने वाली सीरीज में वापसी कर सकते हैं।

10वीं के एग्जाम में आया वर्ल्ड कप 2023 फाइनल से जुड़ा ये सवाल, क्या आप दे पाते इसका जवाब?

नई दिल्ली.एजेंसी

भारत की मेजबानी में ICC Cricket World Cup 2023 को खत्म हुए अभी ठीक से चार महीने भी नहीं गुजरे हैं और उससे जुड़े सवाल अलग-अलग तरह के एग्जाम में देखने को मिले हैं। ताजा मामला गुजरात बोर्ड से सामने आया है, जहां 10वीं के एग्जाम में वर्ल्ड कप 2023 फाइनल से जुड़ा सवाल पूछा गया। सवाल आसान था, लेकिन उनके लिए ज्यादा परेशानी हुई होगी, जिन्होंने अहमदाबाद में खेले गए इस महामुकाबले को नहीं देखा होगा। दरअसल, गुजरात बोर्ड ने 10वीं के छात्रों के लिए क्वेश्चन पेपर में पूछा कि आप अहमदाबाद में आईसीसी विश्व कप 2023 फाइनल के गवाह बनें। अपने अवलोकन के आधार पर एक रिपोर्ट लिखें। ये सवाल उनके लिए बहुत आसान रहा होगा, जिन्होंने मुकाबला देखा होगा, लेकिन जो छात्र क्रिकेट से दूर रहते हैं, उनके लिए इस पर लिखना बेहद कठिन रहा होगा। सवाल शायद इसलिए भी पूछा गया होगा, क्योंकि ये अहमदाबाद में हुआ था।अगर सीधे शब्दों में बात करें तो वर्ल्ड कप 2023 फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया। टीम इंडिया को इस खिताबी मैच में हार मिली।

T20 वर्ल्ड कप 2024 में ये खिलाड़ी होगा ऑस्ट्रेलिया की टीम का कप्तान, पैट कमिंस को नहीं मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली. ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए टीम के कप्तान का ऐलान कर दिया है। पैट कमिंस नहीं, बल्कि मिचेल मार्श यूएसए और वेस्टइंडीज में होने वाले मेगा इवेंट में ऑस्ट्रेलिया की टीम के कप्तान होंगे। ऑस्ट्रेलिया की मेंस टीम के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने इस बात की पुरजोर समर्थन किया है कि मिचेल मार्श ही जून में होने वाले टी20 विश्व कप में टीम के कप्तान होंगे। मार्श ने ही एरोन फिंच के रिटायरमेंट के बाद शॉर्ट फॉर्मेट में कप्तानी की है। एरोन फिंच की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी सरजमीं पर आखिरी टी20 विश्व कप खेला था, लेकिन इस बार कप्तान मिचेल मार्श होंगे। यहां तक कि देश को आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 टीम को जिताने वाले पैट कमिंस एक ऑलराउंडर के तौर पर खेलते नजर आएंगे। मिचेल मार्श ऑस्ट्रेलिया के ऑल फॉर्मेट प्लेयर बन चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम वर्ल्ड कप 2024 6 जून को अपना पहला मुकाबला खेलना है। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने लिखा है कि मैकडोनाल्ड क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को 32 वर्षीय मार्श को औपचारिक आधार पर कप्तान की बागडोर सौंपने की सिफारिश करेंगे। मैकडोनाल्ड ने चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली और टोनी डोडेमाइड के साथ पैनल में बैठेंगे तो वे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को उनकी पसंदीदा कप्तान के बारे में सलाह देंगे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सभी फैक्टर मिचेल मार्श की ओर जा रहे हैं, इसलिए बस कुछ क्षेत्रों में इसे ठीक करना होगा।उन्होंने आगे कहा, जिस तरह से वह उस टी20 टीम के साथ काम करने में सक्षम है, उससे हम खुश और सहज हैं। हमारा मानना है कि वह विश्व कप के लीडर हैं और मुझे लगता है कि वह समय आने पर ही होगा।मार्श ऑलराउंड स्किल सेट वाले खिलाड़ी हैं।

कैप्टन हार्दिक पांड्या की मुंबई इंडियंस के कैंप में वापसी, रोहित शर्मा के फैन ने कहा- अब लफड़े शुरू होंगे

नई दिल्ली.एजेंसी

IPL 2024 की तैयारी मुंबई इंडियंस ने शुरू कर दी है। नए कप्तान हार्दिक पांड्या भी टीम के साथ जुड़ गए हैं। मुंबई इंडियंस के कैंप में वापसी का वीडियो खुद टीम के आधिकारिक एक्स हैंडल पर शेयर किया गया है। हालांकि, फैंस अभी भी मुंबई इंडियंस से नाराज हैं, क्योंकि उन्होंने टीम को पांच बार चैंपियन बनाने वाले कप्तान रोहित शर्मा को कप्तानी से हटा दिया है। यही कारण है कि हार्दिक पांड्या की एमआई कैंप में हुई वापसी से फैंस नाराज हैं। एक फैन ने कहा है कि अब एमआई कैंप में लफड़े होंगे। हार्दिक पांड्या

वर्ल्ड कप 2023 के बाद एक भी प्रोफेशनल मैच नहीं खेले हैं। वे सीधे आईपीएल खेलते नजर आएंगे। हालांकि, वे कुछ समय पहले मुंबई में ही एक लोकल टी20 टूर्नामेंट में खेले थे। उसके बाद साफ हो गया था कि वे एंकल इंजरी से उबर चुके हैं, क्योंकि बल्लेबाजी के साथ-साथ गेंदबाजी भी करते नजर आए थे। मुंबई इंडियंस के लिए भी वे यही काम करने वाले हैं। वे मध्य क्रम में खेलेंगे और हर मैच में गेंदबाजी भी करते नजर आएंगे, क्योंकि गुजरात के लिए वे ऐसा कर चुके हैं। वहीं, ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को लेकर जो वीडियो मुंबई इंडियंस ने शेयर किया है। उसमें वे टीम के ड्रेसिंग रूम में जाते हैं और वहां छोटे से मंदिर में माल्यार्पण करते हैं और भोग लगाते हैं। टीम के हेड कोच मार्क बाउचर नारियल फोड़ रहे हैं। इसी पोस्ट पर एक फैन ने लिखा है कि नारियल फोड़कर ही लड़ाई की शुरुआत होती है। वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा है, लफड़े शुरू होंगे अब कैंप में। एक अन्य फैन ने लिखा कि बैड लक मुंबई के लिए, हमारा कैप्टन तो रोहित शर्मा ही है।

यशस्वी जायसवाल पहली बार बने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ, जानिए अब तक कितने भारतीय जीते हैं ये अवॉर्ड

नई दिल्ली.एजेंसी

टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को फरवरी महीने के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड से नवाजा गया है। उन्होंने पहली बार यह अवॉर्ड जीता है। उन्होंने पिछले साल जुलाई में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। 22 वर्षीय यशस्वी ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में जबर्दस्त बल्लेबाजी की। उन्होंने फरवरी में तीन टेस्ट में मैचों में 112 की औसत से 560 रन बटोरे, जिसमें दो दोहरे शतक शामिल हैं। उन्होंने पूरी सीरीज में 712 रन बनाए। वह प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए थे।यशस्वी ने न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन और श्रीलंका के ओपनर पथुम निसांका को पछाड़कर प्लेयर ऑफ द मंथ खिताब हासिल किया है। वह आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतने वाले भारत के सातवें पुरुष क्रिकेटर हैं। उनसे पहले यह कमाल ऋषभ पंत, रविचंद्रन अश्विन, भुवनेश्वर कुमार, श्रेयस अय्यर, विराट

कोहली और शुभमन गिल ने किया। गिल ने दो बार इस पुरस्कार पर कब्जा जमाया। यशस्वी ने अवॉर्ड जीतने के बाद खुशी का इजहार किया और कहा कि वह आने वाले दिनों में बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश जारी रखेंगे।यशस्वी ने कहा, मैं आईसीसी अवॉर्ड मिलने पर बहुत खुश हूं और मुझे उम्मीद है कि भविष्य में मुझे और पुरस्कार मिलेंगे। मैंने पहली बार पांच मैचों की सीरीज खेली है। मैं जिस तरह से खेला, मैंने वास्तव में इसका आनंद लिया। हमने 4-1 से सीरीज जीती है। मेरा सभी साथियों के साथ अविश्वसनीय अनुभव रहा, जिसका मैंने लुत्फ उठाया। गौरतलब है कि यशस्वी आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा चक्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

सचिन-रोहित रणजी फाइनल देखने पहुंचे तो क्रिकेट फैंस की खिली बांछें, बोले- घरेलू खिलाड़ियों के बुलंद होंगे हौसले

नई दिल्ली.एजेंसी

मुंबई और विदर्भ के बीच इन दिनों रणजी ट्रॉफी फाइनल खेला जा रहा है। दोनों की मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टक्कर हो रही है। मैच के तीसरे दिन मंगलवार को स्टेडियम में महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा नजर आए। दोनों को रणजी फाइनल का लुत्फ उठाते देख क्रिकेट फैंस की बांछें खिल गई हैं। सोशल मीडिया पर रोहित और सचिन की जमकर तारीफ हो रही है। लोग कह रहे हैं कि इससे घरेलू खिलाड़ियों का हौसला बुलंद होगा।बता दें कि रोहित के नेतृत्व में भारत ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट 4-1 से अपने नाम की। एक यूजर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, रोहित ने जो कहा, वो करके देख रहे हैं। वह रणजी ट्रॉफी के महत्व को दर्शा रहे हैं। रोहित ने पिछले हफ्ते कहा था कि घरेलू क्रिकेट बेहद जरूरी है क्योंकि यह कोर है। दूसरे ने कहा, रोहित और सचिन जैसे दिग्गजों की मौजूदगी से खिलाड़ियों को प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी।।+ अन्य ने कमेंट किया, यह देखकर अच्छा लगा कि सचिन की घरेलू क्रिकेट में रुचि है। वह कई युवाओं के लिए प्रेरणा हैं।

मुंबई बनाम विदर्भ फाइनल की बात करें तो मंगलवार को मुशीर खान ने शतक जड़ा। उन्होंने मुंबई के लिए दूसरी पारी में 326 गेंदों में 10 चौकों के जरिए 136 रन जुटाए। श्रेयस अय्यर ने 111 गेंदों का सामना किया और 95 रन बनाए। उन्होंने 10 चौके और 3 छक्के मारे। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 73 रन का योगदान दिया। मुंबई का टी ब्रेक तक स्कोर 357/7 था।

मुंबई की कुल बढ़त 476 रन की हो चुकी है। रहाणे ब्रिगेड ने पहली पारी में 224 रन बनाने के बाद विदर्भ की टीम को 105 रन पर ढेर कर दिया था। मुंबई को पहली पारी में 117 रन लीड मिली थी।

मुंबई की बढ़त पहुंची 500 के पार, अर्धशतक की ओर शम्स मुलानी

नई दिल्ली.एजेंसी

मुंबई और विदर्भ के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में रणजी ट्रॉफी 2023-24 सीजन का फाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। आज यानी मंगलवार 12 मार्च को मुकाबले का तीसरा दिन है। तीसरे दिन का खेल जारी है। मुंबई ने 141/2 से आगे खेलना शुरू किया और लंच तक 3 विकेट के नुकसान पर 262 रन बना लिए। दूसरे सेशन में मुंबई की बढ़त 515 के पार पहुंच गई। तीसरे सेशन का खेल जारी है। मुशीर खान 326 गेंदों में 136 रन बनाकर पवेलियन लौटे। श्रेयस अय्यर सेंचुरी से चूक गए। उन्होंने 111 गेंदों में 95 रन बनाए। तनुष कोटियन (13) और हार्दिक तामोरे (5) का बाब नहीं चला। शार्दुल ठाकुर का खाता नहीं खुला। मुंबई की टीम मजबूत स्थिति में है। मुंबई ने पहली पारी में 224 रन बनाए थे। इसके बाद विदर्भ की टीम बल्लेबाजी करने उतरी और 105 रन पर ढेर हो गई। इस तरह 117 रनों की बढ़त मुंबई को मिली थी।

141/2 से आगे खेलते हुए दिन का पहला झटका कप्तान अजिंक्य रहाणे के रूप में लगा। वे 73 रन बनाकर हर्ष दुबे का शिकार बने। रहाणे के आउट होने के बाद क्रीज पर आए श्रेयस अय्यर ने तेजतर्रार बल्लेबाजी की और करीब 65 गेंदों में वे अर्धशतक तक पहुंच गए। शम्स मुलानी और तुषार देशपांडे इस समय क्रीज पर हैं। टी ब्रेक तक मुंबई की कुल बढ़त 476 रन की थी।

दूसरे सेशन की शुरुआत भी मुंबई ने अच्छे अंदाज में की। मुशीर खान ने रणजी ट्रॉफी के फाइनल में शतक ठोका है। उन्होंने 255 गेंदों में शतक पूरा किया। श्रेयस अय्यर ने उनका भरपूर साथ दिया। दूसरे सेशन में मुंबई ने 300 रनों का आंकड़ा दूसरी पारी में पार किया। बढ़त भी अब 440 रनों से ज्यादा की हो गई है।

T20 वर्ल्ड कप टीम से कट सकता है विराट कोहली का पत्ता, लेकिन IPL 2024 है लाइफलाइन

वर्ल्ड कप 2024 टीम से विराट कोहली का पत्ता कट सकता है। हालांकि, IPL 2024 विराट के लिए लाइफलाइन है। अगर वे इस टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन करते हैं तो उनके टीम में बने रहने के चांस हैं।

नई दिल्ली.एजेंसी

ICC T20 World Cup 2024 के लिए 30 अप्रैल तक सभी टीमों का ऐलान हो जाएगा। बीसीसीआई को भी अपनी टीम अप्रैल के आखिरी सप्ताह या मई के पहले सप्ताह में फाइनल करनी होगी। हालांकि, रिपोर्ट्स की मानें तो विराट कोहली को स्क्वॉड से बाहर रखा जा सकता है। इसके पीछे का कारण बताया जा रहा है कि वेस्टइंडीज और यूएसए में विकेट धीमे होंगे। ऐसे में उनकी बैटिंग स्टाइल से भारत को फायदा नहीं होगा। हालांकि, एक लाइफलाइन विराट कोहली के पास आईपीएल 2024 है, जिसमें बेहतरीन प्रदर्शन करके वे अपनी जगह बचा सकते हैं। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट की मानें तो टी20 विश्व कप टीम में जगह बनाने के लिए विराट कोहली को आईपीएल 2024 में बहुत अच्छा प्रदर्शन करना होगा। चयनकर्ता कोहली को टी20 विश्व कप के लिए चुनने के इच्छुक नहीं है, क्योंकि प्रबंधन का मानना है कि अनुभवी खिलाड़ी सबसे छोटे प्रारूप में टीम की जरूरतों को पूरा करने में विफल रहे हैं। कोहली ने टी20 विश्व कप 2022 के बाद से कोई टी20 इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। वे रोहित शर्मा के साथ अफगानिस्तान टी20 सीरीज में खेले थे, लेकिन ज्यादा सफल नहीं हो पाए थे। दो ही मैच उन्होंने खेले थे। वहीं, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने टी20 विश्व कप के लिए रोहित शर्मा को कप्तान बनाए जाने की पुष्टि की। हालांकि, जब उनसे विराट कोहली के टी20आई भविष्य के बारे में पूछा गया तो उन्होंने चुप्पी साध ली। रिपोर्ट में कहा गया है कि बीसीसीआई ने कोहली के चयन की गुत्थी मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर पर छोड़ दी है। यह बहुत नाजुक मामला है। ऐसे में लोग इसमें शामिल होने के इच्छुक नहीं हैं। अगरकर ने कोहली से टी20आई क्रिकेट के उनके दृष्टिकोण में बदलाव के लिए कहा था, जिसे कोहली ने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में लागू करने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए।

टीम मैनेजमेंट का मानना है कि वेस्टइंडीज की धीमी विकेट कोहली को रास नहीं आएगी, इसलिए अजित अगरकर इस अनुभवी खिलाड़ी को युवाओं के लिए रास्ता बनाने के लिए मनाएंगे। बीसीसीआई को लगता है कि सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह और शिवम दुबे जैसे युवाओं के पास टी20आई प्रारूप में कोहली की तुलना में बहुत कुछ है।

रन आउट होने पर सातवें आसमान पर पहुंचा बाबर आजम का गुस्सा, ड्रेसिंग रूम में मचाया कोहराम

पाकिस्तान सुपर लीग के एक मैच में रन आउट होने पर बाबर आजम का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उन्होंने ड्रेसिंग रूम में कोहराम मचा दिया। पहले तो बैट फेंका और फिर अपने ग्लव्स उतारकर फेंके।

नई दिल्ली.पाकिस्तान के धाकड़ बल्लेबाज बाबर आजम उस समय आगबबूला हो गए, जब वे पाकिस्तान सुपर लीग यानी पीएसएल के मैच में रन आउट हो गए। रन आउट होने के बाद उनका गुस्सा सातवें आसमान पर था। बाबर आजम ने ड्रेसिंग रूम में कोहराम मचा दिया, क्योंकि वे अच्छी लय में लग रहे थे और टीम को आगे ले जा सकते थे।

हालांकि, अच्छी बात ये रही कि इस लो स्कोरिंग मैच में उन्हीं की कप्तानी वाली टीम में जीत मिली। पीएसएल 2024 का 29वां लीग मैच पेशावर जाल्मी और कराची किंग्स के बीच खेला गया। कराची के नेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मैच में बाबर आजम 46 गेंदों में 51 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके और एक छक्का जड़ा। बाबर आजम 14वें ओवर में रन आउट हो गए। इसके बाद वे मैदान पर ही गुस्सा नजर आए और फिर जब ड्रेसिंग रूम में पहुंचे तो उन्होंने पहले अपना बल्ला फेंका और फिर ग्लव्स फेंके।

इतना ही नहीं, बाबर आजम ड्रेसिंग रूम में शांत नहीं बैठे। उन्होंने अपना गुस्सा तेज आवाज में चीखकर निकाला। इस मैच में 6 विकेट खोकर 147 रन पेशावर जाल्मी ने बनाए। वहीं, कराची की टीम 148 रनों के लक्ष्य के जवाब में 145 रन ही बना सकी। आखिरी ओवर में कराची को जीत के लिए 15 रनों की दरकार थी, लेकिन कराची की टीम आखिरी 6 गेंदों में 12 रन ही बना सकी और मुकाबला 2 रनों के करीबी अंतर से हार गई। बाबर आजम इसलिए भी गुस्सा हो रहे थे, क्योंकि वे बड़ी पारी खेलने में सफल तो हो गए थे, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट खराब था।

वे जब स्ट्राइक रेट को सुधारने की कोशिश कर रहे थे तो रन आउट हो गए। गनीमत रही कि टीम को जीत मिली, अन्यथा उनकी जो आलोचना पहली पारी के दौरान हुई, उससे कहीं ज्यादा निशाना उनको हार के बाद बनाया जाता।

'सुरेंद्र कोहली द्वार' बनवाकर मुकेश गोयल ने दी सच्ची श्रद्धांजलि

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली : आदर्श नगर विधानसभा की मालिक राम टंडन रोड की तरफ से आदर्श नगर का प्रवेश द्वार अब 'सुरेंद्र कोहली द्वार' के नाम से जाना जाएगा। दिल्ली नगर निगम की ओर से सुरेंद्र कोहली द्वार का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्थानीय पार्षद और दिल्ली नगर निगम में नेता सदन मुकेश गोयल ने प्रसिद्ध समाजसेवी सुरेंद्र कोहली की स्मृति में द्वार का नामकरण करवाया। इस विशेष मौके पर क्षेत्र के समाजसेवी और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आदर्श नगर का मुख्य द्वार अब कहलायेगा 'सुरेंद्र कोहली द्वार' : आदर्श नगर की मालिक राम टंडन रोड की तरफ से आदर्श नगर में प्रवेश करने के लिए अब 'सुरेंद्र कोहली द्वार' से होकर गुजरना होगा। जब भी कोई इस रास्ते से गुजरेगा तो उसे स्वर्गीय सुरेंद्र कोहली जी की स्मृति में बनाये गये प्रवेश द्वार को पार करना होगा।

कौन थे सुरेंद्र कोहली : सुरेंद्र कोहली का नाम केवल आदर्श नगर तक ही सीमित नहीं था। संघर्ष से लेकर शिखर तक का सफर तय करने वाले सुरेंद्र कोहली किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। शुरूआती संघर्षपूर्ण जीवन में टांगा चलाने से लेकर आजादपुर मंडी में बड़ा व्यापार खड़ा करना, उनकी नेकनियति और कड़ी मेहनत को दर्शाता है। लगभग 7 दशक तक मंडी के व्यापारियों की आवाज रहे श्री कोहली आज भी लोगों के दिलों में बसते हैं। श्री कोहली पूरी दिल्ली की मंडियों के चुनाव में भारी मतों से जीते थे। व्यापारियों की बुलंद आवाज के रूप में श्री कोहली को सदैव याद किया जाएगा।

सुरेंद्र कोहली और उनके सुपुत्र राजू कोहली- पुनीत कोहली : सुरेंद्र कोहली जी की सामाजिक और व्यापारिक विरासत को अब उनके दोनों सुपुत्र राजू कोहली और पुनीत कोहली बखूबी संभाल रहे हैं। राजू कोहली ने अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए मंडी के व्यापारियों की आवाज बुलंद की है। यही कारण है कि मंडी के चुनाव में राजू कोहली ने भी भारी मतों से जीत हासिल की। वहीं, छोटे सुपुत्र पुनीत कोहली ने भी अपने व्यापारिक प्रतिष्ठान को सम्भालते हुए पिता के नाम को आगे बढ़ाया है। पुनीत क्षेत्र के सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों में भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते हैं।

राजू कोहली: आज इस विशेष मौके पर आप सभी का आना हम सबके लिए सौभाग्य की बात है। मैं विधायक, सदन नेता और क्षेत्रवासियों को अभिनंदन करता हूं। साथ ही पिताजी के दिखाए हुए मार्ग पर चल रहा कोहली परिवार।

पुनीत कोहली: आज पिताजी हमारे बीच नहीं हैं लेकिन आज भी उनके दिखाए हुए रास्ते हम सभी का मार्गदर्शन करते हैं। आज कोहली परिवार सुरेंद्र कोहली जी के विचारों को अनुग्रहित कर क्षेत्र में सामाजिक कार्यों में अपना योगदान दे रहा हैं।

आदर्श नगर क्षेत्र में स्वर्गीय सुरेंद्र कोहली की भूमिका: पूरे आदर्श नगर क्षेत्र में शायद ही कोई ऐसी सामाजिक या धार्मिक संस्था होगी जिनके कार्यक्रम में स्वर्गीय श्री कोहली की भूमिका ना रहती हो। क्षेत्र के पंजाबी समुदाय को एक छत के नीचे लाने का श्रेय भी सुरेंद्र कोहली को ही जाता है। आदर्श पंजाबी कल्चरल सोसाइटी के रूप में आदर्श नगर में पंजाबियों की सबसे बड़ी संस्था का गठन भी श्री कोहली ने ही किया था। इसके अलावा गरीब कन्याओं की शादी करवाने से लेकर राशन वितरण के कार्य में भी इनकी विशेष भूमिका रहती थी।

आजादपुर श्मशान भूमि के जीर्णोद्धार में थी महत्वपूर्ण भूमिका: इलाके के एकमात्र और सबसे पुराने श्मशान घाट के जीर्णोद्धार में किसी एक व्यक्ति की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका थी, तो वह नाम था सुरेंद्र कोहली। प्रधान रहते हुए श्मशान घाट का कायाकल्प करने में श्री कोहली ने बहुत मेहनत की। लाखों रुपए का सरकारी और गैर सरकारी फण्ड श्मशान घाट में लगवाया। रोजाना एक तय नियम के तहत सुबह सुबह वह श्मशान घाट पहुँच जाते थे। वहाँ रहकर सभी व्यवस्थाओं की देख रेख करते। जो जरूरत होती उसे तुरंत पूरा करवाते। श्मशान घाट के जीर्णोद्धार करवाने के लिए सुरेंद्र कोहली को सदैव याद किया जाएगा।

पवन शर्मा, विधायक, आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्रः सुरेंद्र कोहली मृदु भाषी, सामाजिक व्यक्ति थे। सुरेंद्र कोहली समय-समय अपने अनुभव से लोगों का मार्गदर्शन करते थे। आज इस महान व्यक्ति के नाम पर द्वार का नामकरण होना हम सबके लिए सौभाग्य की बात है।

मुकेश गोयल, नेता सदन, दिल्ली नगर निगमः सुरेंद्र कोहली महान व्यक्ति थे और लोगों की सेवा में दिन-रात तत्पर रहते थे। पंजाबी समाज को एकजुट करने में सुरेंद्र कोहली का महत्वपूर्ण योगदान था। उनके कार्य को लोग सदियों तक द्वार के माध्यम से याद रखेंगे।

गुरमीत अरोड़ा, आप वरिष्ठ नेताः आज का दिन कोहली परिवार और हम सभी के लिए विशेष है जो वर्षो तक हम सबके जेहन में रहेगा। कोहली जी हमारे बीच नहीं है लेकिन आज भी उनका व्यक्तित्व, लोगों की मदद करने का नेकशील विचार हम सबको प्रेरणा देगा।

सुभाष दीक्षित, प्रधान, मजलिस पार्क वैलफेयर एसोः कोहली परिवार को बधाई। आज हम सबके प्रिय सुरेंद्र कोहली जी के नाम पर द्वार का नामकरण होना हम सबके लिए सौभाग्य की बात है। कोहली जी ने क्षेत्र के विकास में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई। यहीं कारण है कि आज इस शुभ अवसर पर क्षेत्रवासी उमड़ पड़े हैं।

अरविंद मूलचंद, प्रधान केवल पार्क आरडब्ल्यूएः आदरणीय सुरेंद्र कोहली जी हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत रहे हैं। उनकी विचार अनुकरणीय और आज भी हम सबका मार्गदर्शन करते हैं। मैं कोहली परिवार को बधाई देता हूं और साथ ही निगम को जिन्होंने क्षेत्र की मांगो को स्वीकार किया।

सुरेश गुप्ता, प्रधान आदर्श नगर आरडब्ल्यूएः सुरेंद्र कोहली अपने विचारों से हम सभी को प्रभावित करते थे। आज हमारे बीच कोहली जी नहीं है लेकिन उनके विचार हम सबके लिए प्रेरणादायक है। आज कोहली परिवार के लिए खास दिन है। साथ ही मैं निगम को भी धन्यवाद प्रकट करता हूं।

सुरेंद्र चोपड़ा, प्रधान आदर्श रसोईः कोहली परिवार क्षेत्र में बड़ा ही सम्मानीय परिवार है। सुरेंद्र कोहली जी के नाम पर द्वार का नामकरण होना हम सबके लिए गौरावान्वित पल है। मैं कोहली परिवार को इस विशेष मौके पर दिल की गहराईयों से अभिनंदन करता हूं और निगम का धन्यवाद करता हूं।

रवि भारद्वाज, संपादक, एक्शन इंडियाः सुरेंद्र कोहली हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत थे और उनके विचार हम सभी को प्रभावित करते थे। एशिया की सबसे बड़ी मंडी में उनकी विशेष भूमिका रहती थी। समय-समय पर लोगों की मदद करना उनकी आदतों में शुमार था।